खूब पढ़ूंगी खूब बढ़ूंगी
जग में रोशन नाम करूंगी।

गीता कविता याद करूँगी,
जोड़ करूँगी गुणा करूँगी,
लिखना पढ़ना सब सीखूंगी,
पर पहले अपना नाम लिखूंगी।

खूब खेलूंगी और कूदूंगी,
नाचूंगी भी और गाऊँगी,
खूब किताबें पढ़ा करूँगी,
चित्रों में रंग सुन्दर रंग भरूंगी।

खूब पढ़ूंगी खूब बढ़ूंगी
जग में रोशन नाम करूंगी।

चिड़ियों से मैं बतियाऊँगी,
तितली के संग संग दौड़ूँगी,
फल और फूल को भी जानूंगी,
सब के बारे में सीखूंगी।

Jatan
Working with young people

जतन

वार्षिक रिपोर्ट 2017-18

अंतर्राष्ट्रीय सस्टेनेबल डवलपमेंट गोल्स के कुल 17 आयामों में
जतन 10 आयामों को मज़बूत करने पर अपना योगदान दे रही है।

मुख्य पेज की डिजाइन सुश्री गायत्री अत्तूर तथा श्री अरविन्द जोधा द्वारा की गयी है।
कविता–डॉ. कैलाश बृजवासी

संपादनः डॉ. कैलाश बृजवासी | लेखन और डिजाइन : ओम | प्रकाशन : संजरी ऑफसेट प्रिंटर्स, उदयपुर

(प्रकाशित सभी फोटो की प्रकाशन सम्बंधित अनुमति ले ली गयी है। रिपोर्ट अथवा कोई अंश/ फोटो का पुनः प्रकाशन बिना अनुमति अस्वीकार्य)

जतन

जतन संस्थान दक्षिणी राजस्थान में ज़मीनी स्तर पर काम करने वाली स्वैच्छिक संस्था है। जतन ने अपने काम की शुरुआत सन् 2001 में वरिष्ठ शिक्षाविद् एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर राजस्थान के राजसमन्द जिले में की।

जतन आरम्भ से ही ग्रामीण और शहरी युवाओं, किशोर–किशोरियों, बच्चों व महिलाओं, निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधि, प्रवासी मजदूर एवं समुदाय के वंचित वर्ग को विस्तृत कार्यक्रमों के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, रोज़गार, कौशल विकास, प्रवास एवं मातृत्व व प्रजनन स्वास्थ्य के मुद्दों पर सूचनाबद्ध भागीदारी और प्रजातान्त्रिक प्रक्रिया से अपना कार्य कर रही है।

विजन

जतन एक ऐसे समाज की कल्पना करती है, जहाँ लोग स्वस्थ, सुरक्षित और खुशियों से भरी भेदभावमुक्त जिंदगी जिएँ।

मिशन

जतन राजस्थान के युवाओं को सूचना, संबलन व उचित अवसरों की उपलब्धता से सशक्त बनाने के लिए प्रयासरत है ताकि समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके।

अनुक्रमणिका

किशोर– किशोरियों के साथ	05
बच्चों के साथ	12
महिलाओं के साथ	21
विशेष	33
वित्त एवं लेखा	37

निदेशक की कलम से...

‘‘संस्थान की 18 वीं वार्षिक रिपोर्ट आपके हाथों में सौंपते हुए उस प्रसन्नता का आभास हो रहा है जो किसी भी अभिभावक को उसकी संतान के वयस्क और परिपक्व हो जाने पर होता है. साथ ही दुःखद संयोग इस बात का भी है कि इसी वर्ष संस्थान के वरिष्ठ संस्थापक सदस्य और पूर्व अध्यक्ष श्री श्रीलाल जी गर्ग हमारा साथ छोड़ कर अनंत में विलीन हो गए।

संस्थान के लिए ये 18 वां साल कई मायनों में महत्वपूर्ण रहा है। इस साल संस्थान का भौगोलिक कार्यक्षेत्र बढ़ने के साथ ही संस्था के कार्यकर्ता और जरुरी संसाधन बढ़े हैं। किशोरियों की एक बड़ी संख्या (लगभग 25000 से भी अधिक) तक संस्थान की पहुँच संभव हो सकी है, जिन्हें शिक्षा और जीवन कौशल जैसे विषयों से जोड़ते हुए संस्था के मूल उद्देश्यों की प्राप्ति को सार्थक किया जा रहा है और कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या अपनी प्रतिबद्धता के साथ इस काम को आगे बढ़ा रही है।

जतन के कोर इश्यू ‘‘माहवारी प्रबंधन” विषय पर काम करते हुए जतन के उगेर कार्यक्रम ने अपनी पहचान को और विस्तार दिया है। इस मुद्दे पर पुरुषों को शामिल करने और उन्हें संवेदनशील बनाने की हमारी मुहिम को आगे बढाया है। संस्थान के वार्षिक केम्प में शामिल माननीया कमला जी भसीन ने इस प्रयास को सराहा और इसे निरंतर बनाये रखने के लिए प्रेरित किया।

बच्चों के सर्वंगीण विकास को ध्यान में रखते हुए इस साल खुशी परियोजना के साथ – साथ गोगुन्दा क्षेत्र में बाल विकास परियोजना का भी विस्तार किया है। संस्थान युवाओं और किशोर–किशोरियों व महिलाओं के समग्र विकास के साथ अब बच्चों के विकास के प्रति भी अपने उत्तरदायित्व का निर्वाह करने को प्रयासरत है।

इस सत्र की सबसे बड़ी उपलब्धि के तौर पर हम जतन के सन्दर्भ एवं प्रशिक्षण केंद्र – हुनरघर को पूरी तरह तैयार होकर संचालित होते हुए देख रहे हैं। रेलमगरा के खड बामनिया गाँव में निर्मित इस केंद्र पर लगभग 100 संभागियों के आवास, भोजन और प्रशिक्षण की सुविधाएँ हैं।

हम सभी ने इस बात को महसूस किया है कि काम और ज़िम्मेदारी बढ़ने के साथ–साथ संस्था ज्यादा परिपक्व और मजबूत होकर उभरी है। इसका श्रेय कार्यकर्ताओं की निष्ठा, लगन और परिश्रम को जाता है. साथ ही समय–समय पर आप सभी से मिलने वाले सहयोग को भी।

मैं उम्मीद करता हूँ कि आने वाला वर्ष भी हमेशा की तरह संस्था के काम को और काम की गुणवत्ता को और आगे बढ़ाने वाला होगा।’’

नमस्ते

डॉ. कैलाश बृजवासी
संस्थापक सचिव एवं निदेशक
जतन संस्थान
kailash@jatansansthan.org

हिलोर : किशोरी सशक्तिकरण परियोजना

कहाँ : खेरवाड़ा (उदयपुर)
कब से : जनवरी 2015 से दिसंबर 2017
लाभान्वित : 7563 किशोरियां, 248 आशा सहयोगिनी, 245 आंगनवाड़ी कार्यकर्त्ता
साथी–सहयोगी : UNFPA, जयपुर तथा महिला एवं बाल विकास विभाग, राजस्थान

हिलोर– किशोरी सशक्तिकरण परियोजना का उद्देश्य किशोरियों के मानवाधिकारों की सुरक्षा करना है ताकि उनके कम आयु में विवाह और गर्भाधान को टाला जा सके, उन्हें अनचाहे गर्भ से सुरक्षा मिले तथा उनकी स्वास्थ्य व सामाजिक स्थिति और आर्थिक दक्षताओं को बेहतर बनाया जा सके। यह परियोजना उन्हें जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करने और स्वयं को सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध होती है।
यह वर्ष परियोजना का तीसरा एवं अंतिम वर्ष रहा। इस वर्ष शेष रहे कार्यों को पूरा करते हुए इसे स्थायित्व देने पर ज्यादा फोकस रहा।

किशोरी समूहों की नियमित बैठकें एवं सोश्यल एक्शन

किशोरी समूहों की पाक्षिक बैठकें तय एजेंडानुसार आयोजित हुई। इस दौरान UNFPA के सहयोग से जतन द्वारा निर्मित मोड्यूल का प्रयोग किया गया। ग्राम स्तर की विभिन्न समस्याओं के निराकरण में स्वयं की भूमिका को चिन्हित करते हुए सोशल एक्शन प्रोजेक्ट आयोजित किये गए। किशोरी समूहों द्वारा आयोजित इस अभियान के अंतर्गत विभिन्न ग्राम स्तरीय चुनौतियों को किशोरियों ने ही टटोला और निराकरण की दिशा में आगे बढीं. इस दौरान स्वच्छता, सामुदायिक स्वास्थ्य,राजकीय योजनाओं का प्रचार, शौचालय निर्माण, पर्यावरण आदि विविध विषयों पर एक्शन प्रोजेक्ट्स आयोजित किये गए।
इस वर्ष मोड्यूल के तीसरे चरण "वित्तीय समझ" पर अधिक फोकस रहा. इस दौरान सामान्य लेनदेन, बैंक प्रणाली, प्रवास के दौरान वित्त संचालन आदि विषयों पर केन्द्रित बैठकें और गतिविधियाँ आयोजित हुई।

किशोरी दिवस का आयोजन

सभी 248 आंगनवाडी केन्द्रों पर वार्षिक किशोरी दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान किशोरियों की स्वास्थ्य–पोषण जांच, राजकीय योजनाओं की जानकारी, खेल गतिविधियों, व्यावसायिक प्रशिक्षणों, महिला एवं बाल विकास तथा महिला अधिकारिता आदि विभागों से जुड़ी सेवाओं आदि को जोड़ा गया।
ब्लाक स्तर पर आयोजित किशोरी मेला में 750 से अधिक किशोरियां जुटी। खेरवाडा में आयोजित इस मेले में तकरीबन 20 से अधिक स्टाल सजाई गयी, जहाँ विभिन्न रोचक जानकारियों तथा स्पर्धाओं के साथ साथ किशोरियों को बेहतर पोषण, स्वास्थ्य तथा व्यक्तिगत स्वच्छता सम्बंधित जानकारियां दी गयी।

चयनित किशोरी समूहों पर फोकस

मध्य कालीन मूल्यांकन (मिड-टर्म असेसमेंट) से सभी 248 में से ऐसे 150 समूहों का चयन किया गया, जो अन्य समूहों से अपेक्षाकृत पीछे चल रहे थे, अथवा बैठक संचालन के दौरान यह महसूस हो रहा था कि सन्देश ठीक से प्रसारित नहीं हो पाया है। यहाँ विशेष तौर पर पुरानी बैठकों का दोहरान किया गया तथा ड्राप आउट हो चुकी किशोरियों को पुनः जोड़ने के सार्थक प्रयास किये गए।

राष्ट्रीय- अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर मौका

अक्तूबर में नयी दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कांफ्रेंस में खेरवाड़ा से 05 किशोरियों ने भाग लिया और मंच पर अपने अनुभवों को साझा किया। किशोरियों के अनुभवों को खासी सराहना मिली। इससे पहले अभिलाषा डामोर गर्ल-अप कार्यक्रम के तहत अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन जाकर आई थी।

खजुराहो में आयोजित राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम में जतन से 15 किशोरियों ने सहभागिता निभाई। जयपुर में पूरे वर्षपर्यन्त आयोजित विविध कार्यशालाओं में जतन ने सहभागिता निभाई। UNFPA द्वारा आयोजित बाल विवाह के विरुद्ध अभियान ''बाल विवाह नहीं होगा अब राजस्थान में'' में किशोरियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। माहवारी विषय पर जयपुर में हुई विविध कार्यशालाओं में भी किशोरियों ने सहभागिता निभाई।

हस्ताक्षर अभियान

बाल विवाह के विरुद्ध खेरवाड़ा की किशोरियों ने एक लम्बा अभियान चलाया। इस दौरान ग्राम स्तर पर विविध जागरूकता अभियान चलाकर किशोरियों ने 12000 किशोर-किशोरियों से बाल विवाह नहीं करने और भाग नहीं लेने के संकल्प पत्र पर हस्ताक्षर करवाए।

कॉफ़ी टेबल बुक एवं रमत घमत

किशोरियों की सफल कहानियों से प्रेरित होकर और उनका संकलन कर UNFPA द्वारा एक कॉफ़ी टेबल बुक प्रकाशित करवाई।

अमेरिका से आई इंटर्न हेशिमन माया ने किशोरियों के साथ मिलकर स्थानीय खेलों और गतिविधियों पर आधारित संकलन को ''रमत- घमत'' किताब की शक्ल दी। इसे जतन द्वारा प्रकाशित किया गया।

नदिया के पार....

एक नन्हा सा हौंसला भी बहुत कुछ बदल सकता है। अगर इसे समझना है तो खेरियों की घाटी (खेरवाड़ा) की किशोरियों से समझा जा सकता है।

दरअसल खेरियों की घाटी गाँव सोम नदी के उस पार एक फला (बस्ती) है, जिसका राजस्व गाँव बलीचा नदी के दूसरी तरफ है। सालों पहले किसी व्यक्ति की हत्या के बाद नदी के दोनों तरफ कुछ ऐसा तनाव उपजा कि खेरियों की घाटी का नदी पार कर इस तरफ आना मुश्किल हो गया।

हिलोर परियोजना की बैठकों में किशोरियों ने तय किया कि वे बैठक के लिए नदी पार करके बलीचा आएँगी। 09 किशोरियों की इस जिद की बदौलत दोनों गाँव के बीच नदी का फासला ख़त्म हो गया। हालाँकि उन्हें आज भी खुद ही अपनी नाव चलाकर नदी पार करनी पड़ती है, पर उनके हौंसले की बदौलत अब दूसरे लोग भी अपनी ज़रूरत का सामान खरीदने दूर जाने की बजाय बलीचा आने लगे हैं।

ग्राम विकास में किशोरियों की भूमिका

कहाँ : सहाड़ा (भीलवाड़ा) उपखंड की 10 पंचायतें
कब से : अप्रेल 2015 से निरंतर
लाभान्वित : 2047 किशोरियां
साथी–सहयोगी : द हंगर प्रोजेक्ट, जयपुर

सहाड़ा (भीलवाड़ा) में द हंगर प्रोजेक्ट और AJWS के सहयोग से महिला जन–प्रतिनिधियों के साथ मिलकर 10 पंचायतों में किशोरियों के जीवन कौशल शिक्षा पर फोकस और बाल विवाह के विरुद्ध अभियान की शुरुआत अप्रेल 2015 से की गयी। पंचायत स्तर पर किशोरियों के 30 समूह बनाकर उनके साथ मासिक जीवन कौशल शिक्षा कार्यशालाएं आयोजित की गयी। किशोरियों के इन समूहों ने जहाँ गांवों में होने वाले दर्जनों ऐसे बेमेल या जल्दी विवाह की सूचना सम्बन्धित विभागों तक पहुँचाई और बच्चियों के जीवन को सुरक्षित बनाया।

उम्मीदों का सफ़र– किशोरी मेला

किशोरियों के साथ लगातार तीसरे वर्ष फ़रवरी में किशोरी मेला आयोजित किया गया। इस मेले में किशोरियों के बीच आगे पढने और स्वस्थ स्पर्धा की भावना विकसित करने के साथ ही व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए भी प्रेरित किया गया।

सफल महिलाओं से संवाद

किशोरियों का संवाद तहसील, जिला और राज्य स्तर पर सफल महिलाओं के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस दौरान समाज के अलग अलग क्षेत्रों में सफल हुई महिला जन प्रतिनिधियों, वकील, चिकित्सक, खिलाड़ी, महिला पुलिस, कोर्पोरेट क्षेत्र आदि से महिला अथितियों को आमंत्रित किया गया. इस से किशोरियों को अपना भविष्य तय करने में सहयोग मिल रहा है और वे टीचर–नर्स से आगे भी सोच रहीं हैं।

अधिकारियों से मुलाकात

किशोरियों ने सहाड़ा पंचायत समिति मुख्यालय और भीलवाड़ा जिला मुख्यालय जाकर सक्षम अधिकारियों से चर्चा करके स्वयं से सम्बंधित चुनौतियाँ और अन्य अनुभव शेयर किये. इस दौरान समिति क्षेत्र में महिला महाविद्यालय नहीं होने का मामला भी उठा।

तितली

कहाँ :	सहाड़ा (भीलवाड़ा) उपखंड की 04 पंचायतें
कब से :	सितम्बर 2017 से निरतंर
लाभान्वित :	मुस्लिम एवं वंचित वर्ग की 125 किशोरियां
साथी–सहयोगी :	द वाय पी फाउंडेशन, दिल्ली

हाशिये की किशोरियों को मुख्यधारा में शामिल करने, उनकी जीवन कौशल शिक्षा और हक की आवाज़ उठाने जैसी क्षमताओं के विकास के लिए द वाय पी फाउंडेशन, दिल्ली के सहयोग से भीलवाड़ा की 4 पंचायतों की 125 किशोरियों के साथ तितली (बटरफ्लाई) परियोजना की शुरुआत की गयी. इस परियोजना में 35 किशोरी लीडर्स तैयार कर उनके माध्यम से 75 पीयर एज्युकेटर भी तैयार किये गए।

विविध कार्यशालाओं का आयोजन

उदयपुर में आयोजित 3 दिवसीय कार्यशाला में लीडर्स और पीयर एज्युकेटरों के साथ आमुखीकरण कार्यशाला के बाद उनके अधिकारों, जेंडर और शरीर की समझ पर सत्रों का आयोजन किया गया। डिजिटल मीडिया पर समझ बनाने के उद्देश्य से 05 दिवसीय वर्कशॉप में सभी लीडर्स का जुड़ाव रहा। दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में 12 किशोरियों ने सहभागिता निभाई।

जिला संवाद में अधिकारियों से मुलाकात

गंगापुर में आयोजित इस संवाद में किशोरियों ने जिला और ब्लाक अधिकारीयों से मुलाकात कर अपने इश्यू उनसे साझा कर समाधान की दिशा में चर्चा की। वंचित वर्ग की किशोरियों की सबसे बड़ी समस्या उनकी बस्तियों से स्कूलों का दूर होना और राह में स्ट्रीट लाईट न होने से अनजान भय का बना रहना था। इसके अलावा किशोरियों ने स्वास्थ्य और आजीविका से सम्बंधित कई मुद्दों पर बेबाकी से अपनी राय रखी। परियोजना के दौरान हुई सभी ग्राम सभाओं में किशोरी लीडर्स की सक्रिय भागीदारी रही।

सखियों की बाड़ी

कहाँ :	दक्षिणी–पश्चिमी राजस्थान के 09 जिलों के 273 गाँव
कब से :	फ़रवरी 2017 से निरंतर
लाभान्वित :	9202 बालिकाएं (10–24 वर्ष आयुवर्ग)
साथी–सहयोगी :	आईआईएफएल फाउंडेशन, मुंबई

10–14 वर्ष वर्ष की बालिकाओं को शिक्षा के लिए बेहतर और निडर स्थान प्रदान करने, ड्राप आउट किशोरियों को प्रोत्साहित करके उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा में लाने तथा जीवन कौशल शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से जतन द्वारा राजस्थान के 09 जिलों में पायलट तौर पर 273 केन्द्रों की शुरुआत की गयी। इन केन्द्रों को सखियों की बाड़ी नाम दिया गया। अजमेर, उदयपुर, राजसमन्द, भीलवाड़ा, चित्तौड़, जोधपुर, पाली, जालौर और बाँसवाड़ा इन 09 जिलों के चयनित 09 उपखंडों में कार्य की शुरुआत की गयी।

दक्षा का चयन एवं किशोरियों का नामांकन

सभी स्थानों पर सखियों की बाड़ी केंद्र की शुरुआत से पहले समुदाय के साथ नियमित सम्पर्क के बाद प्रत्येक केंद्र पर अनुदेशकों का चयन किया गया। स्थानीय अनुदेशकों को दक्षा नाम दिया गया। इस दौरान प्रत्येक क्षेत्र में ऐसी किशोरियों की पहचान की गयी, जो शिक्षा से वंचित या ड्राप आउट थी। अधिकांश किशोरियां घर के कामों या बकरी पालन से जुडी थी। अनुमानित प्रत्येक केंद्र पर 30 किशोरियां जुड़ी।

अधिकांश केन्द्रों के संचालन का समय अपरान्ह का रखा गया। कई केन्द्रों का संचालन रात्रि में होता था। सभी 273 केन्द्रों के संचालन के लिए स्थान समुदाय की तरफ से प्रदान किया गया।

आवश्यकता आधारित विषयों पर अध्यापन

सखियों की बाड़ी केन्द्रों पर भाषा ज्ञान के साथ साथ बालिकाओं के छोटे छोटे समूह बनाकर उन विषयों पर ज्यादा फोकस किया गया, जिन विषयों से वे भय रखती थी। गणित और विज्ञान विषय पर भी ध्यान दिया गया।

स्थानीय सफल महिलाओं से मुलाकात

केंद्र संचालन के साथ साथ स्थानीय स्तर पर राजकीय और निजी क्षेत्र में काम कर रही सफल महिलाओं से बालिकाओं की मुलाकात करके उन्हें भविष्य के नए सपने बुनने का स्थान प्रदान करने की कोशिश की गयी। इस दौरान महिला विकास अधिकारी, महिला सरपंच, नर्स, अध्यापिका, महिला बाल विकास अधिकारी, एएनएम आदि को सखियों की बाड़ी केंद्र पर आमंत्रित किया गया।

कस्तूरबा के साथ जतन

कहाँ : राजसमन्द जिले के 07 कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय
कब से : अप्रेल 2017 से निरंतर
लाभान्वित : 682 बालिकाएं
साथी–सहयोगी : सेव द चिल्ड्रन एवं शिक्षा विभाग, राजस्थान

एम्पवारिंग मार्जीनलाइज्ड गर्ल्स थ्रू क्वालिटी एजुकेशन "परियोजना का मुख्य उद्देश्य वंचित वर्ग की बालिकाओं की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच बनाकर उनका सशक्तिकरण करना है। राजसमन्द जिले के सातों केजीबीवी में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सुनिश्चित करने के लिये जतन द्वारा केजीबीवी में लगातार गुणवत्ता पूर्ण सहयोग के द्वारा सीखने–सिखाने का वातावरण तैयार किया जा रहा है।

विषय आधारित सहयोग

जिले के सभी 07 केजीबीवी (देवतलाई–केलवा, विजयपुरा, नंदावत, सेलागुडा, रेलमगरा, नेडच और चारभुजा) में कंडेंस कोर्स, नवाचार, जीवन कौशल, प्रोजेक्ट आदि के माध्यम से हर हफ्ते विषय आधारित सेवाएं प्रदान कर सहयोग किया गया। इस दौरान अध्यापको के साथ क्षमता वर्धन पर अलग से कार्यशालाएं आयोजित की गयी।

पुस्तकालय और टीचिंग लर्निंग मटेरियल का विकास

जतन द्वारा सभी केजीबीवी में पुस्तकालय को सक्रिय कर उस तक सभी पहुँच को सुनिश्चित करने सम्बन्धी कार्य किया गया। स्थानीय सामग्री से अध्यापन– अध्ययन के नए तरीके इजाद करने सम्बन्धी उपायों पर भी नवाचार किये गए। सभी केजीबीवी में गठित मीना मंचों को सक्रिय कर उनकी नियमित बैठकें और अन्य गतिविधिओं को सुचारू करने के लिए सार्थक प्रयास किये गए। परिणामस्वरूप सभी मीना मंचों की नियमित बैठकें और उनके परिणाम आने शुरू हुए।

बाल अधिकार सप्ताह और किशोरी दिवस का आयोजन

नवम्बर माह में सभी केजीबीवी में बाल अधिकार सप्ताह के आयोजन के दौरान कई रोचक गतिविधियों के द्वारा बाल अधिकारों और सुरक्षा पर सत्र आयोजित किये गए। राष्ट्रीय किशोरी दिवस का आयोजन जनवरी में बड़े स्तर पर किया गया। इस वर्ष चयनित बालिकाओं के साथ 07 दिवसीय थियेटर कार्यशाला का आयोजन किया गया। 13 वर्ष से बड़ी बालिकाओं के साथ प्रजनन स्वास्थ्य व माहवारी प्रबंधन पर कार्यशालाएं आयोजित की गयी।

समुदाय के साथ

विद्यालय प्रबंधन समितियों को मजबूत करते हुए उनके क्षमता विकास और नियमित बैठकों पर खासा ध्यान दिया गया। परिणामस्वरूप जहां समुदाय की विद्यालयों में आवाजाही और रूचि बढ़ी, वहीं आवश्यकतानुसार समुदाय का सहयोग भी मिला।

प्रोजेक्ट लव

कहाँ : गोगुन्दा एवं कोटड़ा (उदयपुर)
कब से : अप्रेल 2016 से निरंतर
लाभान्वित : 650 स्कूली बच्चे
साथी–सहयोगी : नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, मुंबई एवं क्षमतालय फाउंडेशन, उदयपुर

प्रोजेक्ट लव (लर्निंग ऑरबिट फोर विलेज एक्सीलेंस) जतन और क्षमतालय फाउंडेशन के साझे में बच्चों के समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए एक अनोखी पहल है। उदयपुर के आदिवासी क्षेत्र के बच्चों के साथ शैक्षणिक सहयोग का कार्य आरम्भ किया गया। मकसद था– शिक्षा के हर एक पहलू पर गहराई से काम करना और ऐसे युवा तैयार करना,जो समाज को एक दिशा दे सके।

07 स्कूलों के 650 बच्चों के साथ फेलोशिप मॉडल पर कार्य आरम्भ किया गया. प्रत्येक स्कूल से जुड़े गाँव में ही रहकर फेलो अनुदेशकों ने बच्चों के साथ 24 घंटे जुड़ाव रखा। क्लासरुम शिक्षा के साथ साथ जीवन कौशल और सहज शिक्षा से उन्हें जोड़ा।

स्कूल के समय के बाद बच्चों से नियमित संपर्क रखते हुए उन्हें शिक्षा से जोड़े रखने का परिणाम यह रहा कि अकादमिक स्तर सुधरने के साथ साथ ऐसे शिक्षक और छात्र तैयार हुए, जिन्होंने आत्मविश्वास के साथ शिक्षा के एक अलग पहलू को समझा।

डेस्क किट का वितरण

मांडवा, झेड़ और भूला सहित अन्य स्कूलों के कुल 300 बच्चों को डेस्क किट का वितरण किया गया। ये वे क्षेत्र थे, जहाँ बच्चों के पास बैठने को बेंच की व्यवस्थाएं नहीं थी। डेस्क किट में स्कूल बेग के साथ एक मिनी–डेस्क थी, जिससे बच्चों को लिखने में आसानी हुई।

फुटबाल किट वितरण

कक्षा 09 और 10 के 50 युवा समूहों को 50 फुटबाल किट वितरित किये गए। बच्चों में खेल भावना के विकास पर फोकस करते हुए उन्हें फुटबाल खेलने को प्रेरित किया गया।

हुनरघर

कहाँ : रेलमगरा की खड बामनिया पंचायत

कब से : 2016 से निरंतर

राजसमन्द में स्थापित हुनरघर का मुख्य उद्देश्य कंप्यूटर के माध्यम से युवाओं में वैचारिक बदलाव और स्थानीय ग्राम विकास में उनकी भागीदारी को बढ़ाना है। डेवलपिंग वर्ल्ड कनेक्शन और सॉफ्ट चॉइस केयर्स (कनाडा) के वित्तीय सहयोग से ग्रामीण युवाओं में टेक्नोलोजी के प्रति रुझान बढ़ाने में हुनरघर काफी लोकप्रिय रहा।

रेलमगरा में 30 से अधिक कम्प्यूटरों से सुसज्जित इ-लैब खड बामनिया गाँव में स्थापित हुई है, जहाँ युवाओं, बच्चों के अलग अलग समूह बनाकर उन्हें कंप्यूटर शिक्षा दी जा रही है। युवाओं और किशोर-किशोरियों के साथ वर्तमान में कंप्यूटर और इन्टरनेट की बेसिक जानकारी के साथ उन्हें इसके उपयोग के लाभ बताये जा रहे हैं।

प्रशिक्षण केंद्र

हुनरघर के एक बड़े हिस्से को विभिन्न सामाजिक कार्यशालाओं, प्रशिक्षणों के लिए भी तैयार किया गया है। डोरमेटरी व्यवस्था के अंतर्गत 100 लोगों के रुकने की व्यवस्था के साथ 04 बड़े प्रशिक्षण हॉल, 04 ट्रेनर कक्ष (प्रत्येक में 2-4 लोगों के रुकने की व्यवस्था), रसोई घर, खेल मैदान, गार्ड कक्ष, भोजन क्षेत्र, महिला-पुरुषों के लिए पृथक पृथक शौचालय, चेंजिंग रूम आदि विकसित किये गए हैं।

खुशी

कहाँ : खमनोर, राजसमन्द और रेलमगरा ब्लाक

कब से : जनवरी 2016 से निरंतर

लाभान्वित : 10,517 बच्चे और 914 आंगनवाड़ी कार्मिक

साथी–सहयोगी : हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड एवं ICDS, जयपुर

खुशी बाल विकास परियोजना, राजसमन्द जिले के 06 साल तक के बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, शाला पूर्व शिक्षा आदि की बेहतरी के लिए एक समग्र प्रयास है। यह परियोजना ICDS और हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के सहयोग से द्वारा राजसमन्द जिले के रेलमगरा, राजसमन्द और खमनोर उपखंडों के सभी 504 आंगनवाडी केन्द्रों पर संचालित है। परियोजना के तहत आंगनवाडी केन्द्रों पर समेकित बाल विकास योजना द्वारा प्रदत्त सभी 06 मुख्य सेवाओं को मज़बूत करना है, जिसमे पोषक तत्वो से पूर्ण पूरक पोषाहार उपलब्ध करवाना, शाला पूर्व शिक्षा का सुचारू क्रियान्वयन, रेफरल सुविधाओं और बच्चों के स्वास्थ्य और स्वच्छता को बेहतर बनाते हुए समुदाय की भागीदारी को बढ़ाना है।

केन्द्रों के नियमित संचालन और उपस्थिति में सुधार

इस वर्ष आंगनवाडी केन्द्रों के खुले पाए जाने का औसत प्रतिशत 97.25% रहा। इनमे 86.25% समय पर खुले जबकि शेष 11% केंद्र खुशी कार्यकर्ताओं के जाने के बाद तय समय से आधे घंटे बाद तक खुले। यह वर्ष लगातार उपस्थिति और नामांकन में बढ़ोतरी वाला रहा सबसे बेहतर प्रदर्शन राजसमन्द ग्रामीण का रहा, जिसने पूरे वर्ष के दौरान 66.81% प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की. वहीँ खमनोर ने 62.27% तथा रेलमगरा ने 61.53% उपस्थिति दर्ज की।

नियमित स्वास्थ्य जांच

इस वर्ष से 25% चयनित केन्द्रों के सभी बच्चों की नियमित त्रेमासिक स्वास्थ्य जांच आरम्भ की गयी। स्वास्थ्य जांच में 53% बच्चे आयु अनुसार निर्धारित वज़न से कम पाए गए। अन्य त्वचा, मुंह, दृष्टि आदि की जांच भी की गयी और आवश्यकता होने पर बच्चों को रेफर किया गया।

आंगनवाडी ग्रेडिंग

खुशी परियोजना के एक वर्ष पूर्ण होने के पश्चात कार्य की प्रगति को समझने तथा भविष्य की माइक्रो प्लानिंग के लिए आंगनवाडी केंद्र और बच्चों के मूल्यांकन के लिए प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। मई में आयोजित दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण में सभी क्लस्टर समन्वयकों ने सहभागिता निभाई। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य आंगनवाडी केंद्र के भौतिक एवं प्रोसेस मूल्यांकन तथा बच्चों का शाला पूर्व शिक्षा स्तर जांचने के लिए प्रशिक्षकों में क्षमता विकास करना था।

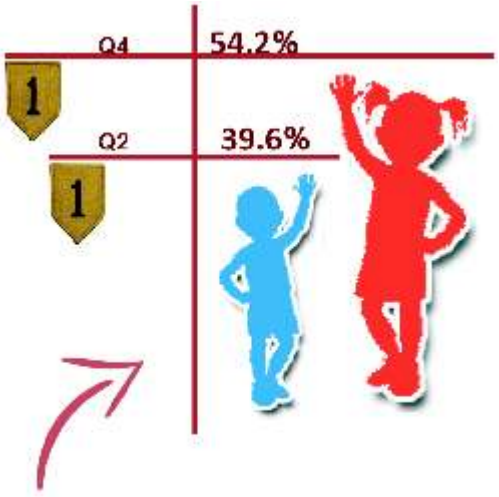

शाला पूर्व शिक्षा मूल्यांकन

इस वर्ष 25% चयनित केन्द्रों के सभी बच्चों का शाला पूर्व शिक्षा मूल्यांकन किया गया। पहली बार जुलाई अगस्त और दूसरी बार जनवरी–फ़रवरी में मूल्यांकन किया गया। पहली बार मूल्यांकन के दौरान 40% बच्चे प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए, वहीँ दूसरे मूल्यांकन में यह संख्या बढ़कर 54% हो गयी।

उक्त परिणाम बच्चों के परिजनों से समय समय पर मासिक अभिभावक बैठक में व्यक्तिगत साझा किये गए।

मुस्कुराता यशवंत

सितम्बर '16 में बहुत प्रयासों के बाद खुशी कार्यकर्त्ता कोठारिया (खमनोर) के अति कुपोषित बच्चे यशवंत को MTC तक ले जा पाए थे। ''दैवीय प्रकोप'' मानकर चल रहे परिजनों की लगातार काउंसिलिंग के बाद वे इलाज को तैयार हो पाए। अस्पताल से छुट्टी के बाद भी यशवंत के घर लगातार विजिट करते हुए उसके अच्छे खान–पान पर जोर दिया और स्वास्थ्य की निगरानी रखी गयी। आज यशवंत पूर्ण रूप से एक स्वस्थ बच्चा है।

खुशी परियोजना के तहत अब तक 228 अति कुपोषित बच्चों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया और 47% बच्चे सामान्य श्रेणी में आये। 44% बच्चे अभी भी नियमित निगरानी और स्वास्थ्य लाभ से गुज़र रहे हैं।

रेसिपी निर्माण कार्यशाला

बच्चों और गर्भवती–धात्री के पोषण में सुधार के लिए चयनित 50% केन्द्रों पर वर्ष में 4 बार रेसिपी निर्माण कार्यशालाएं आयोजित की गयी। इस दौरान टेक होम राशन से विविध सामग्री निर्माण पर केंद्र कार्मिक और स्थानीय महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया। सभी केन्द्रों पर पूरक पोषाहार की मोनिटरिंग मोबाइल एप द्वारा की गयी। THRके सैम्पल की लेबोरेट्री जांच भी करवाई गयी। इस दौरान प्राप्त रिपोर्ट को राज्य सरकार के साथ शेयर किया गया।

ग्राम स्वास्थ्य समिति प्रशिक्षण

ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता पोषण समिति के सदस्यों को सक्रियता से कार्य के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से नियमित प्रशिक्षण आयोजित किये गये। इस दौरान कुल 200 VHSNC सदस्यों ने सहभागिता निभाई।

किचन न्यूट्रीशन गार्डन का विकास

दूसरी तिमाही अंत मानसून के दौरान 204 केन्द्रों (40%) पर किचन न्यूट्रीशन गार्डेन तैयार किये गए थे। इनसे प्राप्त सब्जियों का उपयोग पूरक पोषाहार में जमकर किया गया। इन सब्जियों को केंद्र पर बनाने वाले पोषाहार में उपयोग के साथ कुपोषित बच्चों के घरों में भी वितरित किया गया।

आंगनवाड़ी दिवस समारोह का आयोजन

जुलाई दूसरे सप्ताह से आंगनवाडी दिवस समारोह का आयोजन ग्राम स्तर पर आरम्भ किया गया। बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां समुदाय और उनके अभिभावकों के समक्ष प्रस्तुत करते हुए खुशी परियोजना और केंद्र के बारे में विस्तृत चर्चा की गयी।

समुदाय आधारित बैठकें

समुदाय को केंद्र गतिविधियों से जोड़ने और उन्हें सहभागी बनाने के उद्देश्य से समुदाय के साथ लगातार नेटवर्किंग की गयी.इन बैठकों के आयोजन से पूर्व 12 माह के एजेंडा तय किये गए, ताकि प्रत्येक बैठक को मुद्दा आधारित बनाया जा सके और अभिभावकों और समुदाय के लोगों को बैठक का पूरा पूरा लाभ मिले। इसमें विविध स्थानीय विषय विशेषज्ञों को भी शामिल किया गया है ताकि उनकी सहभागिता भी सुनिश्चित की जा सके।

बाल विकास, गोगुन्दा

कहाँ : गोगुन्दा (उदयपुर)
कब से : अप्रेल 2017 से निरंतर
लाभान्वित : 2721 बच्चों औए 782 महिलाओं तक सीधी पहुँच
साथी–सहयोगी : चाइल्ड फण्ड इंडिया

उदयपुर के गोगुन्दा ब्लाक के सुदूर 26 गांवों में सघन रूप से काम करते हुए बाल विकास परियोजना की शुरुआत हुई। 1621 नामांकित और 1100 गैर–नामांकित बच्चों के साथ इस परियोजना का असल मकसद 25 वर्ष के युवाओं और किशोर किशोरियों के साथ मिलकर ग्राम विकास का खाका तैयार करना है। इनमे बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य– पोषण और स्वच्छता और आधारभूत सुविधाओं और सेवाओं तक उनकी पहुँच और अधिकार को सुनिश्चित करना था।

विद्यालय प्रबंधन समिति की संयुक्त कार्यशाला

बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कड़ी में पहला कदम चयनित विद्यालयों में स्कूल प्रबंधन कमिटी को सक्रिय करना था. इसी क्रम में पहले विद्यालय स्तर पर और बाद में ब्लाक स्तर पर समिति के सदस्यों के साथ समिति की प्रभावी कार्य प्रणाली पर कार्यशालाएं आयोजित की गयी। रणनीति के तहत मासिक बैठकों की रुपरेखा तय करके उन्हें अमली जामा पहनाया गया।

अभिभावक बैठकें

विद्यालय के सही प्रबंधन में अभिभावकों की भूमिका तय करने के उद्देश्य से नियमित अभिभावक बैठकें भी आयोजित की गयी. स्पोंसरशिप बच्चों के साथ साथ सम्बंधित गाँव के अन्य स्कूली बच्चों और उनके अभिभावकों को इसमें जोड़ा गया. द्वितीय और तृतीय तिमाही में इन बैठकों में समुदाय की प्रभावी उपस्थिति रही।

छात्र संसद बैठकें

विधालय में छात्र संसद का गठन करके बेहतर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए तथा साथ ही विद्यालय परिसर को बेहतर बनाने में बच्चों के योगदान को देखते हुए छात्र संसद बैठकें पूरे वर्ष में कुल 03 बार आयोजित की गयी. इनमे कुल 201 छत्रों ने सहभागिता निभाई, जिनमे 77 किशोरियां थी।

स्पोंसर सप्ताह का आयोजन

विभिन्न दानदाताओं से सीधे अनुदान प्राप्त के लिए चयनित बच्चों के साथ तीसरी तिमाही में स्पोंसर सप्ताह सेलिब्रेशन का आयोजन किया गया। इसमें कुल 143 बच्चों की सहभागिता रही।

स्पोर्ट्स सप्ताह

गोगुन्दा ब्लाक स्तर पर आयोजित खेलकूद सप्ताह के दौरान 26 गांवों से विभिन्न स्पर्धाओं में 272 बच्चों और किशोर– किशोरियों की सहभागिता रही, जिनमे 161 स्पोंसर बच्चे शामिल थे। इस दौरान विभिन्न व्यक्तिगत और सामूहिक खेलों का आयोजन किया गया। पारंपरिक आदिवासी खेल स्पर्धाओं को भी इसमें शामिल किया गया. विजेताओं को सम्मानित किया गया।

1621

नामांकित बच्चों तक सीधी पहुँच

1100

अनामांकित बच्चों को पहुंचाई गई सौर ऊर्जा चलित लालटेन

10

बेसिक बिल्डिंग स्किल शिक्षा केंद्र संचालित

70

किशोरियों के साथ प्रजनन स्वास्थ्य प्रशिक्षण

782

गर्भवती– धात्री महिलाओं को पोषण संबधी प्रशिक्षण

427

युवाओं का बकरी पालन, ड्राइविंग प्रशिक्षण से जुड़ाव

गोगुंदा क्षेत्र के मोखी, कुंडला गांव में लाइट नहीं होने से छूट रही थी बच्चों की पढ़ाई

सड़क के अभाव में गांव में बिजली नहीं, पढ़ाई करने वाले एक हजार बच्चों के घरों में पहुंचाई सोलर लाइटें

केरोसिन से दीये जलाकर रात निकाल रहे थे लोग, तेल खत्म होने पर हो जाता था अंधेरा

सोलर लालटेन वितरण

गोगुन्दा के बिना बिजली वाले गाँवों के मेधावी बच्चों को सोलर लालटेन से पढ़ने में सुविधा हुई। कुल 1100 अनामांकित बच्चों का चयन करके उन्हें सोलर आधारित आधुनिक लालटेन वितरित किये गए। ब्लॉक और जिला प्रशासन द्वारा इस पहल का स्वागत किया गया।

सपोर्ट कक्षाओं का संचालन

गोगुन्दा में 10 गांवों में स्कूली बच्चों को शैक्षिक सहयोग के लिए नियमित सपोर्ट कक्षाओं का संचालन स्कूल समय के बाद आरम्भ किया गया। इन केन्द्रों पर नियमित 3 से 4 घंटे विविध विषयों, विशेषकर विज्ञान और गणित पर अध्ययन करवाया गया। इन कक्षाओं का लाभ यह रहा कि कई बच्चों के मन से इन विषयों का डर ख़त्म होने से ड्राप आउट दर कम हुई।

गर्भवती धात्री महिलाओं के साथ पोषण आधारित सत्र

गोगुन्दा के चयनित गांवों की गर्भवती–धात्री महिलाओं के साथ नियमित पोषण आधारित सत्रों का योजन किया गया। इस दौरान गर्भ धारण से अगले 1000 दिन तक बच्चे और माँ के सही पोषण और स्वास्थ्य आदि पर विस्तार से जानकारी साझा की गयी। ग्राम स्तर पर आयोजित विविध कार्यशालाओं में कुल 782 महिलाओं की सहभागिता रही।

रेसिपी कार्यशालाएं

आंगनवाडी केन्द्रों के सहयोग से चयनित गांवो में महिलाओं और किशोरियों के साथ स्थानीय उपज और आंगनवाडी केंद्र से मिलने वाले टेक होम राशन के सहयोग से विविध खाद्य सामग्री बनाने और स्वच्छता सम्बन्धी प्रशिक्षण दिया गया। इन प्रशिक्षणों में केंद्र पर आने वाले बच्चों की माताओं और अभिभावकों पर भी फोकस किया गया।

सामुदायिक वाचनालय

ब्लॉक के तीन गांवों घाटा, ईंटो का खेत और सीवडिया में कुल तीन पुस्तकालय और वाचनालय स्थापित किये गए। प्रत्येक केंद्र पर आवश्यक पुस्तकों के साथ नियमित समाचार पत्र आरम्भ किये गए।

अपना जतन

कहाँ : उदयपुर का नीमच माता कच्ची बस्ती क्षेत्र
कब से : 2010 से निरंतर
लाभान्वित : 3000 से अधिक बच्चे और किशोर– किशोरियां
साथी–सहयोगी : गेबेको, जर्मनी एवं इंडो एशिया टूर, गुरुग्राम

उदयपुर की नीमच माता कच्ची बस्ती (देवाली) क्षेत्र में गेबेको, जर्मनी के सहयोग से अक्तूबर 2010 से संचालित अपना जतन केंद्र बच्चों का प्रमुख सीखने–सिखाने का केंद्र हैं। यह केंद्र न केवल शिक्षा से वंचित बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा में जोड़ने के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में सामने आया है बल्कि स्कूल में जाने वाले बच्चों के लिए ‘‘शिक्षा में सहयोग’’ के रूप में भी इसकी व्यापक पहचान बनी है।

पालनाघर

कच्ची बस्ती की कामकाजी महिलाओं के कुल 13 बच्चे (0–5 वर्ष) वर्तमान में पालनाघर से जुड़े है। शाला पूर्व शिक्षा, स्वच्छता, पोषण आदि के लिए अपना जतन इन बच्चों के साथ सार्थक प्रयास कर रहा है। अब तक कुल 86 बच्चें पालनाघर से लाभान्वित हो चुके है, जिनमे से 32 बच्चों को स्कूलों में भर्ती करवाया जा चुका है।

शिक्षा में सहयोग

स्कूल में जिन बच्चों के दाखिले करवाए गए, उन्हें लगातार सहयोग की ज़रूरत को देखते हुए कोचिंग प्रदान करने का फैसला किया गया। इस समय तकरीबन 50 से अधिक ऐसे बच्चे हैं, जो स्कूल के बाद लगातार 3 घंटे शैक्षणिक सहयोग के लिए अपना जतन आते हैं। यहाँ विषय के टीचर्स उन्हें शिक्षा में सहयोग करते हैं। इनमे अधिकांश राजकीय स्कूलों के बच्चे हैं।

समर कैंप का पांचवा साल

इस वर्ष भी मई–जून में ग्रीष्म–अवकाश के दौरान दो माह का समर कैंप आयोजित किया गया। इस दौरान बच्चों ने कंप्यूटर लर्निंग, आर्ट–क्राफ्ट, नृत्य, गायन आदि में रूचि दिखाई। समर कैंप के बाद आयोजित अपना जतन वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी।

प्रत्येक तिमाही में शैक्षणिक भ्रमण इस बार भी जारी रहा. इस वर्ष कुम्भलगढ़, हल्दीघाटी, हेल्थ वंडर वर्ल्ड, पिछोला भ्रमण, राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में भागीदारी के साथ जारी रहा। इन भ्रमण में प्रत्येक बार 50 से अधिक बच्चों ने भाग लिया।

77
बच्चों को नियमित शैक्षिक सहयोग

127
बच्चों को स्कूल में भर्ती करवाया गया

43
नए बच्चे नामंकित

17
बच्चों को दैनिक गर्म पोषाहार

11
ड्राप आउट बच्चे जुड़े हैं केंद्र से

चाइल्डलाइन 1098

कहाँ : राजसमन्द
कब से : 2016 से निरंतर
लाभान्वित : 448 मामलों में विधिक सहायता
साथी–सहयोगी : महिला एवं बाल विकास मंत्रालय एवं चाइल्डलाइन, दिल्ली

बच्चों को आपात परिस्थितियों में तत्काल सहायता पहुँचाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्तर पर संचालित चाइल्ड लाइन 1098 हेल्प लाइन का पदार्पण पिछले मार्च में राजसमन्द में हुआ। भारत सरकार और चाइल्ड लाइन के द्वारा 24x7 संचालित इस निःशुल्क फोन सेवा को राजसमन्द में जतन द्वारा संचालित किया जा रहा है। यह सुविधा न केवल बच्चों से सम्बंधित फोन अटेंड करके उनके समाधान के लिए प्रयास करती है बल्कि संकट में फंसे बच्चे को रेस्क्यू करने, जिला बाल कल्याण समिति और पुलिस–प्रशासन के सहयोग से उसके बेहतर भविष्य के प्रयास करने तथा जागरूकता निर्माण के लिए भी कार्य करती है।

इस वर्ष दर्ज मामलें

चिकित्सकीय सहायता	47
शेल्टर	32
बाल श्रम	62
बाल भिक्षावृति	32
कचरा बीनने से छुटकारा	16
यौनिक हिंसा	2
शारीरिक हिंसा	12
मानसिक हिंसा	1
बाल विवाह सम्बंधित	12
शैक्षिक सहायता	91
राजकीय स्कीम का लाभ	33
गुमशुदा बच्चे मिले	20
परिजन को सहायता/ परामर्श	4
शेल्टर से छोड़ना	3
मासिक सहयोग/ परामर्श	14
बाल तस्करी	1

क्षेत्र विजिट्स और प्रसार

व्यक्तिगत, समूह में और रात्रि में लोगों से मिलकर चाइल्डलाइन की जानकारी देना और उनके फोन से 1098 पर फोन लगाकर उन्हें इस नंबर से मित्रता करवाना आउटरीच का प्रमुख कारण रहा। टीम द्वारा लगातार सभी प्रमुख स्कूलों, कोलेज, सामुदायिक स्थलों, धार्मिक स्थलों, बस स्टेंड–रेलवे स्टेशन आदि पर जाकर लोगों को जानकारी–परक सामग्री वितरित की गयी। इस दौरान कई स्थानों, मेलों और सामुदायिक कार्यक्रमों में चाइल्डलाइन के स्टाल लगाये गए।

चाइल्ड लाइन से दोस्ती सप्ताह का आयोजन

नवम्बर माह में चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह का आयोजन किया गया. स्कूली और गैर स्कूली बच्चों के साथ बड़े स्तर पर विविध कार्यक्रम आयोजित किये गए। रचनात्मक कौशल अभिव्यक्ति के दौरान कई रोचक प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गयी।

मेरा बचपन–मेरा अधिकार

जून माह में ऐसे स्थानों का चयन किया गया, जहाँ सर्वाधिक बाल श्रमिक पाए गए थे, वहां ठेकदारों, मालिकों के साथ अवेयरनेस कार्यक्रम और संवाद आयोजित किये गए।

इसी के साथ बाल संरक्षण आयोग अध्यक्षा मनन चतुर्वेदी के साथ आयोजित संगोष्ठी में जिले में बच्चों की स्थितियों पर चर्चा की गयी। जिला स्तरीय संवाद कार्यक्रम में जिला स्तरीय अधिकारियों को भी इस विषय पर संवेदनशील किया गया।

महिला जन प्रतिनिधियों के साथ

कहाँ : रेलमगरा (राजसमन्द) एवं सहाड़ा (भीलवाड़ा) उपखंड
कब से : 2003 से निरंतर
लाभान्वित : 930 महिला जनप्रतिनिधि, 4500 से अधिक जागरूक मंच महिलाएं
साथी–सहयोगी : द हंगर प्रोजेक्ट, जयपुर

द हंगर प्रोजेक्ट के सहयोग और मार्गदर्शन में जतन संस्थान द्वारा पंचायतीराज त्रि–स्तरीय व्यवस्था के अंतर्गत चयनित महिला जनप्रतिनिधियों के साथ वर्ष 2002 से कार्य किया जा रहा है। राजसमन्द तथा भीलवाड़ा जिलों में गठित महिला पंच–सरपंच संगठन महिला जनप्रतिनिधियों को उनके अधिकार स्पष्ट करते हुए उनकी भागीदारी को बढाने हेतु सक्रिय रूप से काम के लिए समझ विकसित करने तथा समय समय पर विविध गतिविधियों द्वारा क्षेत्र विकास के मायने स्पष्ट करने के लिए कार्य जारी है। परस्पर समझ और एकता से कार्य करने के दौरान आ रही चुनौतियों का सामना करने की कला ये संगठन विकसित कर चुके हैं।

इस वर्ष

57 ग्राम पंचायतें
208 राजस्व गाँव
29 महिला सरपंच
279 महिला वार्डपंच
629 जागरूक मंच सदस्य

आवश्यकता आधारित कार्यशालाओं का आयोजन

वित्तीय वर्ष में दोनों उपखंडों में कुल 08 महिला नेतृत्व कार्यशालाएं आयोजित की गयीं। इन कार्यशालाओं में मुख्यतः ग्राम पंचायत फंड नियोजन, स्वच्छ भारत मिशन की क्रियान्विति, कुपोषण एवं खाद्य सुरक्षा, समाज में महिलाओं की स्थिति, पंचायतीराज त्रि–स्तरीय व्यवस्था, वार्ड सभा, ग्राम सभा, पाक्षिक बैठक, जन प्रतिनिधियों के अधिकार एवं कार्य, नेतृत्व बदलाव तथा बदलाव की सोच पर फोकस किया गया। समाज के हर वर्ग के विकास पर कार्य योजना निर्माण एवं बजटिंग पर भी सत्र आयोजित किये गए।

नियमित पंच सरपंच संगठन बैठकें

निर्वाचित महिला पंच–सरपंच जनप्रतिनिधियों का यह संगठन महिला नेतृत्व को कार्य के दौरान आ रही चुनौतियों पर सामूहिक निर्णय लेता है। बैठक के दौरान मनरेगा कार्य, पाक्षिक बैठकों के नियमितीकरण, वार्षिक कार्य योजना आदि मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई।

इस दौरान संगठन सदस्यों ने रेलमगरा, कुंवारिया और गंगापुर पुलिस थाना विजिट कर वहां महिला हिंसा से आधारित प्रक्रिया को समझा।

महिला जागरूक मंचों की नियमित बैठकें

निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधियों को ग्राम एवं पंचायत स्तर पर सहयोग करने तथा भविष्य के चुनावों में एक सशक्त महिला नेतृत्व को खडा करने के उद्देश्य से दोनों उपखंडों में गठित किये गए 20 महिला जागरूक मंचों की नियमित त्रेमासिक बैठकें नियमित रही।

महिला जागरूक मंच की सदस्य महिलाएं जहाँ वर्तमान नेतृत्व के कार्य में आ रही बाधाओं को दूर करने में समुदाय के साथ मिलकर काम करती हैं, वहीं आगामी चुनावों के लिए स्वयं को तैयार करती है।

राष्ट्रीय स्तर तक बनी पहचान

राजसमन्द और भीलवाडा की महिला जनप्रतिनिधियों के काम को इस कार्यकाल के दौरान राष्ट्रीय स्तर तक सराहा गया और देश के अलग अलग कोनों में आमंत्रित करके इनके काम को समझा गया। इस दौरान अन्य राज्यों से आये ग्राम जन प्रतिनिधियों ने भी इन महिला नेत्रियों की पंचायतों का भ्रमण किया।

लापस्या सरपंच सपना शर्मा के द्वारा जतन की प्रेरणा से अपनी पंचायत में ''बेटी बचाओ–बेटी पढाओ'' अभियान क तहत सृष्टिदायिनी सम्मान और गोद भराई के कार्यों को काफी सराहा गया। भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा लखनऊ में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में सपना को सम्मानित करते हुए उन्हें कार्यकारणी समिति में सदस्य मनोनीत किया गया।

बामनिया कला सरपंच कैलाश देवी को अपनी पंचायत को स्वच्छ बनाने के लिए किये गए प्रयासों के लिए जबलपुर में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया. कैलाश देवी के ''कन्या उपवन'' को भी सराहा गया।

सादड़ी की सरपंच मंजू आर्य, आमली की वार्ड पंच बादामी बाई को अलग अलग क्षेत्रों में किये गए कार्यों के लिए राज्य और जिला स्तर पर सम्मानित किया गया।

कन्या उपवन की प्रणेता कैलाश देवी

बामनिया कलां सरपंच कैलाश देवी कुमावत की पंचायत में हर कन्या जन्म पर एक पौधा लगाने की परंपरा क्या शुरू हुई, देखते ही देखते पूरी पंचायत ही ''कन्या उपवन'' बन गयी। रेलमगरा के बामनिया कलां को यूँ ही आदर्श पंचायत नहीं कहा जाता। कन्या जन्म पर सार्वजनिक उत्सव, उसके नाम से पौधा लगाने, उसके नाम से पंचायत की तरफ से बैंक जमा खाता शुरू करवाने जैसी कई योजनाओं ने इस पंचायत को अलग पहचान दी है।

सरपंच कैलाश देवी बताती है कि मन की सोच को धरातल पर लाने में ग्रामवासियों ने काफी सहायता की। उन्हें कहीं भी महिला होने के नाते किसी तरह का भेदभाव महसूस नहीं हुआ। गाँव की बहु होने के बावजूद उन्हें बेटी सा प्यार मिला। अब वे यही प्यार हर एक महिला को दिलाने को प्रयत्नशील है। कैलाश की स्पष्ट सोच है–घूंघट हटेगा तो शिक्षा भी आएगी और समानता भी। कैलाश की गाँव पर पकड़ ऐसी है कि वे अगला चुनाव लड़ने को भी तैयार है।

उम्मीदः परिवार परामर्श केंद्र

कहाँ : राजसमन्द
कब से : 2013 से निरंतर
लाभान्वित : 2000 से अधिक महिलाएं

महिलाओं के साथ होने वाली शारीरिक, मानसिक, आर्थिक एवं यौनिक हिंसा की रोकथाम के लिए जतन संस्थान राजसमन्द जिले में लगातार सजगता पूर्वक कार्य करते हुए विभिन्न मुद्दे समय समय पर उठाती रही है। इस वर्ष भी ''उम्मीदः परिवार परामर्श केंद्र'' द्वारा राजसमन्द और रेलमगरा में महिलाओं को लगातार परामर्श एवं सहायता प्रदान की गयी। मार्च 2017 तक 2000 से अधिक महिलाओं तक परामर्श एवं कानूनी सहायता के लिए केंद्र की भूमिका सराहनीय रही। महिलाओं से किसी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लेते हुए भी इस केंद्र को बगैर किसी वित्तीय सहायता के संचालित किया जा रहा है।

इस वर्ष केंद्र पर सर्वाधिक मामले घरेलू प्रताड़ना, विवाह विच्छेद के लिए प्रताड़ना, मानसिक उत्पीडन, भरण पोषण, डायन कहकर प्रताड़ना, दहेज़ मांगने आदि रहे। कुल दर्ज 89 परिवादों में सबसे अधिक दहेज़ प्रताड़ना और भरण-पोषण से सम्बंधित रहे। स्थानीय क्षेत्र में ओ.बी.सी. जातियों में आटा-साटा, जल्दी विवाह आदि के चलते विवाह विच्छेद के इस प्रकार के मामले सामने आये।

महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के खिलाफ अभियान

फ़रवरी माह में रेलमगरा की दस पंचायतों में महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के विरोध में जन जागरूकता अभियान चलाया गया. इस दौरान चेतना रथ के द्वारा प्रदर्शनी, रैली, पोस्टर, नारा लेखन, नुक्कड़ चर्चा आदि गतिविधियों के द्वारा जागरूकता बनाने की सार्थक कोशिश की गयी। चेतना रथ ने इस दौरान 3000 से अधिक घरों पर सीधी दस्तक दी। इस दौरान 30 से अधिक नुक्कड़ सभाएं, 10 बड़ी सभाएं भी आयोजित की गयी।

पुलिस-प्रशासन के साथ समन्वय

राजसमन्द जिला पुलिस ने कई स्थानों पर जतन को सलाह और सहयोग के लिए आमंत्रित किया. रेलमगरा थाना ने 50 से अधिक दर्ज मामलों में जतन से निःशुल्क विशेषज्ञ सेवाएं ली। कई मामलों को परस्पर समझाइश के लिए केंद्र को रेफर किया।

मातृत्व स्वास्थ्य

कहाँ : राजसमन्द
कब से : 2003 से लगातार
लाभान्वित : 4500 से अधिक गर्भवती–धात्री महिलाएं
साथी–सहयोगी : चेतना, अहमदाबाद

राजस्थान राज्य की गणना उन राज्यों में होती हैं, जहाँ आज भी मातृ एवं शिशु मृत्यु दर काफी अधिक है। विविध कल्याणकारी योजनाओं के कारण स्थिति में काफी सुधार आया है, किन्तु अभी भी काफी कार्य शेष है। राज्य एवं केंद्र सरकारों द्वारा संचालित विविध योजनाओं जैसे जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, जननी सुरक्षा योजना, मुख्यमंत्री घी योजना, कलेवा योजना, शुभ लक्ष्मी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन तथा उनके लाभ को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जतन राजसमन्द में नियमित रूप से पैरवी और शोध के कार्य जारी रखे हुए हैं।

सास बहु सम्मेलनः रेलमगरा के चयनित गांवों में सास बहु सम्मेलन के दौरान गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के स्वास्थ्य–पोषण पर विशेष ख्याल रखने और डिलीवरी के दौरान ध्यान रखने योग्य बातों पर चर्चा की गयी.

हमारी आवाज़ सुनो अभियानः महिला स्वास्थ्य से जुड़े मसलों पर स्थानीय स्तर पर पैरवी के लिए महिलाओं की आवाज़ को मुखर करने के उद्देश्य से रेलमगरा के लापस्या और इसके आस पास के गांवों में वर्ष के अंत में इस अभियान की शुरुआत की गयी।

पंचायत प्रतिनिधियों का प्रशिक्षणः पंच–सरपंचों की मातृत्व स्वास्थ्य पर समझ विकसित करने के उद्देश्य से रेलमगरा में नियमित कार्यशालाएं आयोजित कर फंड के सही उपयोग, जीपीडीपी में मातृत्व स्वास्थ्य पर फंड की मांग आदि पर सत्र आयोजित किये गए।

राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी की नियमित बैठकेंः रेलमगरा तथा कुरज में राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी (RMRS) की नियमित बैठकें संचालन में जतन की भूमिका सार्थक रही। इस दौरान समिति की बैठकें नियमित करवाने तथा मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहतरी में समिति के योगदान पर चर्चा की गयी।

बेटियों की बातें

कहाँ : राजसमन्द, उदयपुर एवं भीलवाड़ा
कब से : 2006 से लगातार
लाभान्वित : 3000 से अधिक ग्रामीण

राजसमन्द तथा उदयपुर जिले में बेटियों के सम्मानित जीवन को पुनर्स्थापित करने तथा गिरते शिशु लिंगानुपात को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ''बेटियों की बातें'' कार्यक्रम जतन द्वारा चलाया जा रहा है। इसके तहत ग्राम स्तर पर कार्य कर रहे पंचायत जन– प्रतिनिधियों, स्थानीय समुदाय, स्वास्थ्यकर्मियों, स्कूली बच्चों तथा किशोर किशोरियों आदि के साथ चेतना निर्माण कार्यक्रम संचालित किये गए।

सृष्टिदायिनी सम्मानः इस वर्ष 63 दम्पत्तियों को सृष्टिदायिनी सम्मान प्रदान किया गया. अब तक 900 से अधिक दम्पत्तियों को यह पुरस्कार दिया जा चुका है। वे दंपत्ति, जो एक अथवा दो बेटियों के माता–पिता है और अब संतान नहीं चाहते, उन्हें यह सम्मान दिया जाता है।

गोद भराई रस्मः आशाओं तथा स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा चिन्हित गर्भवती महिलाओं को वर्ष में दो बार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अथवा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आमंत्रित करके उनके साथ यह सामाजिक रस्म निभाई जाती है। इस दौरान गर्भवती महिलाओं को यह अहसास करवाया जाता है कि उनका गर्भस्थ शिशु, चाहे बालक हो या बालिका, उस पर पहला हक उसका है।

सुरक्षित माहवारी अभियान

कहाँ	: भारत के 22 राज्यों में
कब से	: 2001 से निरंतर
लाभान्वित	: 22 राज्यों के 17,000 से अधिक महिला-पुरुष एवं किशोर-किशोरियां
साथी-सहयोगी	: भारत सरकार, विभिन्न राज्य सरकारें, सीएसआर एवं शैक्षणिक संस्थान

उगेर (मेवाड़ी भाषा में इसका मतलब है, एक नयी शुरुआत) माहवारी के मुद्दे पर चुप्पी को तोड़ने और इस मुद्दे पर लोगों में जागरूकता लाने के लिए चलाया जा रहा महिला सशक्तिकरण अभियान है। इसके तहत नियमित माहवारी प्रबंधन और माहवारी स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर अध्ययन और चेतना निर्माण जैसी गतिविधियों पर ध्यान केन्द्रित किया गया है।

सूती, पर्यावरण अनुकूल और पुनः इस्तेमाल किये जा सकने वाले सेनेटरी पेड 'उगेर' के निर्माण का प्रशिक्षण देना इस वर्ष भी नियमित रहा। स्वास्थ्य पर्यावरण अनुकूल और माहवारी प्रबंधन के बेहतर सतत विकल्प के लिए बनाये जा रहे इस पेड को जतन द्वारा बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि बाज़ार में मिलने वाले डिस्पोजल सेनेटरी पेड से होने वाले आर्थिक, सामाजिक, पर्यावरणीय और स्वास्थ्य सम्बन्धी हानियों के प्रति समुदाय को जागृत किया जा सके।

पुरुषों के साथ चेतना निर्माण कार्य

माहवारी केवल पुरुषों का मसला नहीं है, यह पूरे समाज का विषय है; इसी सोच के साथ लगातार जतन ने पुरुषों और किशोरों को माहवारी प्रबंधन पर प्रशिक्षण देना जारी रखा। इस दौरान पुरुषों ने विषय पर समझ के साथ साथ उगेर पैड्स बनाना भी सीखा। इस वर्ष अधिकांश प्रशिक्षणों में पुरुष प्रशिक्षक शामिल हुए।

विभिन्न राज्यों के साथ समन्वय

इस वर्ष मुख्यतः भारत सरकार (डोनेर-पूर्वात्तर विकास मंत्रालय) के सहयोग से आई आई टी, मद्रास के संयोजन में नार्थ ईस्ट राज्यों मेघालय, असम, अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में महिला स्वयं सहायता समूहों के साथ उगेर कार्यक्रम की शुरुआत हुई। हरियाणा सरकार, बिहार सरकार, राजस्थान सरकार के महिला एवं बाल विकास तथा महिला अधिकारिता विभागों के साथ जतन ने इस विषय पर समन्वय किया।

साथी संस्थाओं और सीएसआर के साथ उगेर

हिंदुजा सोल्यूशंस फाउंडेशन ने महिला दिवस के मौके पर बंगलुरु, मैसूरू, गुंटूर, हैदराबाद और चेन्नई के राजकीय स्कूलों में 700 किशोरियों को 2,800 उगेर पैड्स वितरित किये. एनवायरो विजिल (मुंबई) और स्पार्कमिंडा फाउंडेशन (दिल्ली) ने जतन से बड़ी संख्या में उगेर पैड्स की खरीद कर उन्हें अपने अपने क्षेत्रों में वितरित किया.

स्पार्क मिंडा फाउंडेशन के सहयोग से श्रीपेरम्बदूर (तमिलनाडु), पन्तनगर (उत्तराखंड), राजगुरुनगर (पुणे ग्रामीण), नोएडा (उप्र) और हिसार (हरियाणा) में 530 महिलाओं के साथ दो बार प्रजनन स्वास्थ्य और उगेर पेड निर्माण कार्यशालाएं आयोजित की।

टाटा ट्रस्ट के साथ जुड़कर दक्षिणी राजस्थान के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में किशोरियों के साथ निरतंर कार्य करने का मौका मिला।

आई डी एस (जयपुर), यूएनएफपीए, यूनिसेफ, प्लान इण्डिया, जागृति यात्रा (बंगलुरु), टेक्नोसर्व इण्डिया, सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च, उरमूल सीमान्त, सेवा मंदिर, आज़ाद फाउंडेशन आदि के साथ जतन ने इस वर्ष माहवारी प्रबंधन और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों में सहभागिता की।

शैक्षणिक संस्थाओं के साथ उगेर

कई शैक्षणिक संस्थाओं के छात्र भी इस कार्यक्रम के साथ जुड़े. सृष्टि स्कूल ऑफ़ डिजाइन (बंगलुरु), आई आई टी मद्रास, आई आई टी मुंबई, आई आई एम उदयपुर, निरमा यूनिवर्सिटी (अहमदाबाद), सिम्बायोसिस इंस्टिट्यूट ऑफ़ डिजाइन (पुणे), नार्थ-वेस्टर्न यूनिवर्सिटी (अमेरिका) एएमआईईडी, विद्या भवन, द स्टडी स्कूल, केजीबीवी-राजस्थान और फाउंडेशन फॉर सस्टेनेबल डवलपमेंट (कनाडा) के साथ सहयोग एवं समन्वय से जतन के सुरक्षित माहवारी अभियान को बल मिला।

रिसर्च

किशोरियों का स्वास्थ्य

अशोका फाउंडेशन के साझे में इस वर्ष राजसमन्द के 04 उच्च माध्यमिक विद्यालयों की किशोरियों की स्वास्थ्य और पोषण पर शोध कार्य किया गया। इस दौरान तकरीबन 500 से अधिक किशोर–किशोरियों की स्वास्थ्य जांच की गयी और उनसे स्वास्थ्य सम्बंधित जानकारी एकत्र की गयी।

कुछ प्रमुख स्थितियां इस प्रकार रही :

- 54% किशोर किशोरियां मोडरेट एनीमिक पाए गए।
- 37% सीवियर एनीमिक श्रेणी में थे।
- 87% ने स्वीकार किया कि वे हर बार खाने से पहले और शौच के बाद साबुन से हाथ नहीं धोते।
- 49% ने कहा कि उनके घर पर शौचालय नहीं है।
- 28% बच्चे हफ्ते में 5–7 बार घर के बाहर खेलने जाते हैं।
- 2% ने कहा कि पिछले महीने से अभी तक में उन्हें डायरिया की बीमारी हुई।

बच्चों का स्वास्थ्य–पोषण

खुशी परियोजना अंतर्गत 126 आंगनवाडी केन्द्रों के 2882 बच्चों वर्ष में तीन बार स्वास्थ्य जांच की गयी। इस दौरान स्थानीय अस्पतालों का सकारात्मक सहयोग रहा। इस दौरान केन्द्रों पर 52% बच्चे 3–4 वर्ष आयुवर्ग, 9% बच्चे 3 वर्ष से कम आयु के थे।

कुछ प्रमुख स्थितियां इस प्रकार रही :

- 53.32% बच्चे आयु अनुसार कम वज़न के पाए गए।
- 49.77% बच्चे एनीमिक पाए गए।
- अगस्त (मानसून) में हुई जांच में 37.41% बच्चों को त्वचा सम्बन्धी बीमारियाँ पाई गयी, वहीँ फ़रवरी (सर्दी) में 23.56% को इस से ग्रस्त पाया गया।
- 3% बच्चों को देखने में दिक्कत, 1% बच्चों को सुनने में बाधा देखी गयी।
- 10% बच्चों को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत रेफर किया गया।

खमनोर में अतिकुपोषण के कई मामले सामने आने के बाद क्षेत्र की 2 पंचायतों बड़ा भानुजा और सेमा में बच्चों के पोषण पर अध्ययन किया गया। इस अध्ययन में मुंबई स्थित एसपीजेआईएमआर प्रबन्धन कोलेज ने सहयोग प्रदान किया। इस दौरान बच्चों के परिवार का पोषण, उनके खान पान, स्वच्छता, आजीविका, भोजन शैली आदि का अध्ययन किया गया।

ढांचागत विकास

कहाँ : राजसमन्द एवं उदयपुर
कब से : अप्रेल 2017 से निरंतर
साथी–सहयोगी : हिंदुस्तान जिंक, चाइल्ड फण्ड इंडिया

सस्टेनेबल विकास के साथ साथ ग्रामीणों के सहयोग से उदयपुर, राजसमन्द में जतन ने ढांचागत विकास के क्षेत्र में कदम रखा। इस दौरान आधुनिक आंगनवाडी केंद्र नन्दघर, शुद्ध पेयजल के लिए संयंत्र स्थापना और स्कूलों में शौचालय काम्प्लेक्स निर्माण प्रमुख रहा।

नन्दघर

राजसमन्द में हिंदुस्तान जिंक और स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से रेलमगरा में नन्दघर निर्माण के शुरुआत हुई। रेलमगरा में प्रथम 10 नन्दघरों का निर्माण एक प्रमुख उपलब्धि रही। इन केन्द्रों में आधुनिक बाल मित्र परिवेश, चित्रकारी, 24X7 निर्बाध सौर ऊर्जा, परिशोधित पेयजल, शौचालय और इ–लर्निंग के लिए टीवी की सुविधा प्रदान की गयी. इन नन्दघरों के रख रखाव आदि के लिए स्थानीय ग्रामीणों को तैयार करने के सार्थक प्रयास किये गए।

वर्ष के अंत में रेलमगरा सहित राजसमन्द और खमनोर में नन्दघर निर्माण के द्वितीय चरण में 100 नए नन्दघर निर्माण के लिए स्थान देखे गए और स्थानीय समुदाय और पंचायतों के साथ चर्चा की गयी।

शुद्ध जल संयंत्र

गोगुन्दा के आदिवासी क्षेत्र में शुद्ध पेयजल उपलब्ध न होना बहुत बड़ी समस्या है. इस कारण जल जनित रोगों में ख़ासा इजाफा देखा गया। चाइल्ड फण्ड इण्डिया के सहयोग से 05 स्थानों का चयन करके वहां सौर ऊर्जा चालित शुद्ध जल संयंत्र स्थापित किये गए। इन संयत्रों के निर्माण में अनोखी बात यह रही कि मेटेरियल जतन की तरफ से उपलब्ध करवाया गया, जबकि निर्माण और व्यवस्थापन का काम स्थानीय ग्रामीणों ने अपनी ओर से किया। इन संयत्रों के संचालन, रखरखाव आदि की जिम्मेदारी स्थानीय समुदाय को दी गयी। परिणाम स्वरुप सभी 05 संयंत्र वर्ष खत्म होने तक सुचारू रूप से संचालित होते रहे तथा किसी प्रकार के टूट– फूट या चोरी की घटनाएं नहीं हुई।

शौचालय काम्प्लेक्स

गोगुन्दा के स्कूलों में पानी नहीं होने तथा उपलब्ध शौचालयों के बदहाल होने के कई मामले सामने आये। इस पर एक विस्तृत अध्ययन के बाद जतन ने चयनित 05 स्कूलों में शौचालय काम्प्लेक्स निर्माण का जिम्मा हाथ में लिया। इन शौचालयों में पूरे समय पानी, किशोरियों के लिए फ्री स्पेस, हाथ धोने के लिए आधुनिक स्थान आदि का निर्माण किया गया।

वार्षिक शिविर, पुष्कर

25–27 दिसंबर को पुष्कर में आयोजित जतन का सालाना स्टाफ कैंप इस बार भी स्टाफ के लिए बहुत कुछ सीखने–सिखाने के नाम रहा. विविध क्षमतावर्धन शिविरों में जतन साथियों ने अपनी क्षमताओं को पहचाना और उन्हें बढ़ाया, वहीँ सांस्कृतिक संध्या में उनके विविध रंग भी सामने आये।

25 दिसंबर को अजमेर की साथी संस्था ''ग्रामीण एवं सामाजिक विकास संस्थान'' के साथ क्रिसमस सेलिब्रेशन के साथ शिविर की शुरुआत हुई. तत्पश्चात दिल्ली की रंग विशारद संस्था से आई नाट्य मंडली ने मुंशी प्रेमचंद की कहानी "बड़े भाई साहब" पर आधारित नाटक का मंचन किया. इस दौरान जतन के मूल्यों और उद्देश्यों पर आधारित प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम रखा गया।

26 दिसंबर का पूरा दिन देश की जानी मानी नारीवादी हस्ताक्षर कमला भसीन जी के साथ रहा. इस दौरान जेंडर और मर्दानगी पर खुलकर बात हुई. कमला भसीन ने जतन के ''सुरक्षित माहवारी अभियान'' की तारीफ करते हुए वहीँ से अपने सत्र की शुरुआत की. जतन की ओर से सत्र के बाद कमला जी का नागरिक अभिनन्दन किया गया।

तीसरे दिन अलग अलग सत्रों के दौरान राजस्थान में किशोरियों की स्थिति, अपनी सीख और अपनी समझ, अभिप्रेरण, प्रजनन अधिकारपर चर्चा की गयी। ये समय कार्यकर्ताओं के लिए एक अवसर था विभिन्न विषयों पर अपनी समझ को स्पष्ट करने का। यहाँ सभी साथियों को अपनी रूचि अनुसार विषयों के चयन कर सत्र में बैठने की स्वतंत्रता दी गयी।

संध्या के दौरान विविध सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं, फैशन शो, वन मिनट शो आदि आयोजित किये गए. विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये गए। पुष्कर भ्रमण के दौरान जतन ने पुष्कर के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व को भी समझा।

आयुर्वेद आरोग्य मेला

स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने, आम बीमारियों की रोकथाम, संयमित दिनचर्या एवं खान पान, आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा के लाभों को आम जन में फ़ैलाने के उद्देश्य से जिला आयुर्वेद विभाग और हिंदुस्तान जिंक के साथ मिलकर 08 दिवसीय आयुर्वेद आरोग्य मेले का उद्घाटन उच्च तकनीकी शिक्षा मंत्री किरण माहेश्वरी, सांसद हरिओमसिंह राठौड़, हिन्द जिंक के लोकेशन हेड सी. आर. मीणा और जतन उपनिदेशक गोवर्धन सिंह ने मिलकर किया।

मेले में आयुर्वेद चिकित्सा, यूनानी चिकित्सा, होम्योपैथी, जरावस्था जन्य रोगों की चिकित्सा, प्रकृति एवं नाड़ी चिकित्सा, पंच कर्म एवं क्षार सूत्र, सौन्दर्य निखार, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, कैपिंग थैरिपी, अग्निकर्म थैरेपी, जलौकवचारण चिकित्सा और न्यूरो थैरेपी के स्टाल तैयार किये गए, जहाँ 23, 465 रोगियों ने अपना उपचार करवाया। इनमे 4447 रोगियों ने पहली बार सम्बंधित चिकित्सा ली थी। इस दौरान कुल 52 रोगियों को भर्ती किया गया, जिनमे 26 की शल्य चिकित्सा, 12 की नूरोथैरेपी, तथा 14 की काय चिकित्सा की गयी। इस दौरान प्रातः सत्र में योग सत्र आयोजित किये गए।

मेले में जतन सहित आयुर्वेद विभाग, राज्य सरकार, ICD, महिला एवं बाल विकास, ग्रीन–सिटी क्लीन सिटी (नगर परिषद्), झील संरक्षण आदि द्वारा प्रदर्शनियां भी लगाईं गयी।

जश्न–ए– जतन

जतन ने सत्रहवां स्थापना दिवस12 जून की शाम राजसमन्द झील किनारे मनाया गया, जहाँ जिला कलक्टर के.सी. वर्मा मुख्य अतिथि रहे। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम ''माटी के रंग'' थी, जहाँ बाड़मेर और बीकानेर से आये लंगा–मांगनियार लोक कलाकारों ने राजस्थानी गीत–संगीत से सुरमई शाम को शानदार बना दिया. पूरा जतन स्टाफ पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा में तैयार होकर आया। इस दौरान लोक प्रस्तुतियों ने पूरे राजसमन्द को झूमा दिया।

इस अवसर पर पहला डॉ. विजय जोशी सम्मान जतन की दो महिला कार्यकर्ताओं सुमित्रा मेनारिया और मंजू खटीक को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया।

प्रकाशन

माहवारी चक्रः जतन बोर्ड सदस्या लक्ष्मी मूर्ति द्वारा डिजाइन किये गए ''माहवारी चक्र'' से माहवारी को समझाने में काफी आसानी होती है। चित्र तथा सम्बंधित विवरण द्वारा चक्र माहवारी के सभी चरण समझाता है।

सीधी सच्ची बातः चित्रकथा सीधी सच्ची बात दो सहेलियों की कहानी है, जो प्रजनन स्वास्थ्य, माहवारी और उस से जुड़े उपायों एवं स्वच्छता पर चर्चा कर रही है। 44 पृष्ठीय इस पॉकेट नुमा पुस्तिका में माहवारी से जुडी तमाम जानकारियां उपलब्ध है।

भोजन तिरंगाः इस शीट में पोषक थाली में आवश्यक भोजन पदार्थों को तिरंगे के अनुसार समझाया गया है।

बच्चों की सामान्य बीमारियाँः ''चौपड'' शैली में निर्मित शिक्षण सहयोग सामग्री में बच्चों को होने वाली सामान्य बीमारियों के लक्षण, प्रकार, उपचार और बचाव के तरीके बड़े रोचक तरीके से चित्रात्मक तरीके से बताये गए हैं।

जैसे जैसे हम बढ़ते हैंः राजस्थान की प्रसिद्द ''कावड़'' शैली में बना यह फोल्डर किशोरावस्था में बदलाव एवं शारीरिक विकास को समझने में काफी सहायक है। फोल्डर के कवर पेज पर बने आदिवासी भित्ति चित्र लुभाते हैं।

उगेर पोटलीः सूती कपडे से बने माहवारी पैड तथा पेंटी लाइनर की पोटली माहवारी प्रबंधन के दौरान कपडे के उचित उपयोग एवं रखरखाव को समझाने में सहायक है। पोटली में चित्र के माध्यम से पैड धोने और सुखाने का चित्रात्मक विवरण है।

जतन @youtube

जतन की विविध परियोजनाओं एवं सामाजिक विषयों से जुड़े अनेक विडियो सोश्यल साईट्स और यू ट्यूब पर <c/jatansansthan> सर्च करके देखे जा सकते है।

पत्रिकाएँ

रमत घमत

जतन की मासिक पत्रिका रमत घमत विशेष तौर पर आंगनवाडी कार्यकर्ताओं के क्षमतावर्धन और उनके कार्यों को पहचान दिलाने की कोशिश है. चार पृष्ठीय बहुरंगी यह पत्रिका हर महीने कार्यकर्ताओं को शाला पूर्व शिक्षा, पोषण–स्वास्थ्य और नए नवाचारों पर विविध नवीन सामग्री उपलब्ध करवाती है, साथ ही नवाचारों के लिए प्रेरित करती है। ''आंगनवाडी ऑफ़ द मंथ'' जैसे कॉलम कार्यकर्ताओं के प्रयासों को पहचान दिलाते हैं।

चहक एवं फुर्र

बहुरंगी आठ पृष्ठीय त्रेमासिक पत्रिकाएं, जो पूरी तरह से किशोरियों से जुड़े विषयों पर आधारित है। इन पत्रिकाओं को मुख्यतः खेरवाड़ा, गोगुन्दा में संचालित ''हिलोर'' कार्यक्रम और केजीबीवी की किशोरियों के लिए तैयार किया गया है।

रमत घमत

किशोरियों की बैठकों के दौरान करवाए जाने वाली सहज गतिविधिओं की पुस्तक ''रमत–घमत'' एक बहुरंगीय पुस्तिका है, जिसे UNFPA के सहयोग से प्रकाशित किया गया. गतिविधियों का संकलन जतन में अपनी इंटर्नशिप के लिए आई हेश्मिन द्वारा किया गया।

विषय विशेषज्ञ/ कार्यशालाएं

इस वर्ष जतन द्वारा विविध साथी संस्थाओं में प्रजनन स्वास्थ्य, पोषण, जीवन कौशल के विविध पक्षों, जेंडर असमानीकरण, पंचायतीराज त्रि–स्तरीय व्यवस्था, मातृत्व स्वास्थ्य एवं पोषण से जुडी आवश्यक सुविधाएं, युवाओं की चुनौतियाँ, महिलाओं के प्रति हिंसा, घटते शिशु लिंगानुपात आदि विषयों पर अन्य संस्थाओं में विषय आधारित सत्र लिए गए।

इंटर्नशिप एवं वालंटियर

कहाँ : जतन कार्यक्षेत्र

कब से : 2005 से निरंतर

इस वर्ष कुल इन्टर्न एवं वालंटियर : 146

साथी–सहयोगी : इरमा– आनंद, प्रवाह– दिल्ली, ऑपरेशन ग्राउंड्सवेल– कनाडा, एफएसडी– अमेरिका, नार्थवेस्ट यूनिवर्सिटी– अमेरिका, ड्यूक यूनिवर्सिटी,– अमेरिका, युकेएड, आई आई एम–उदयपुर, आई आई एच एम आर–जयपुर, स्टेला मारिस कॉलेज–चेन्नई, राजस्थान विद्यापीठ – उदयपुर, एसपिजे आई एम आर –मुंबई, आईआईटी–दिल्ली, सृष्टि स्कूल ऑफ़ डिजाइन–बंगलौर, आम्बेडकर यूनिवर्सिटी–दिल्ली, दिल्ली यूनिवर्सिटी – नयी दिल्ली

जतन इंटर्नशिप एक ऐसा अवसर है, जो युवाओं के लिए आकर्षक करियर की राह को सुगम बनाता है. जतन में संचालित अलग अलग कार्यक्रमों से जुड़कर तथा विषय केन्द्रित शोध एवं सहयोग द्वारा स्वयंसेवकों तथा प्रशिक्षुओं को संस्थागत कार्य का व्यवहारिक अनुभव प्राप्त होता है। वर्ष 2015–16 में जतन संस्थान में देश–विदेश के विभिन्न संस्थानों से आये इन्टर्न्स ने विभिन्न प्रोजेक्ट्स पर काम करते हुए अपनी समझ बनाई और अनुभव के साथ जतन परिवार का हिस्सा भी बने।

प्रवाह–दिल्ली के साथ 'स्माइल इन–टर्न शिप' के दो चरणों (समर कैंप और विंटर कैंप) में कई प्रशिक्षुओं ने रेलमगरा के विभिन्न गांवों में रहते हुए स्थानीय मुद्दों पर अपनी समझ बनाई तथा स्थानीय युवाओं और किशोर–किशोरियों के सक्रीय समूह गठित किये। सभी इंटर्न तय अवधि में गांवों में ही रहे। अमेरिका के सेन फ्रासिसको से आये वॉकर चांस ने जतन की कार्यकारिणी का विश्लेषण करके जतन के दस्तावेजों को दुरस्त करने में सहायता प्रदान की।

आईआईएम, उदयपुर के छात्रों ने रूरल इमर्शन कार्यक्रम के तहत रेलमगरा, सहाडा और राजसमन्द ब्लॉक में रहते हुए अलग अलग विषयों पर अपनी समझ स्थापित की। साथ ही एक अन्य कार्यक्रम के तहत ड्यूक यूनिवर्सिटी, अमेरिका के छात्रों के साथ जुड़ते हुए आईआईएम, उदयपुर के छात्रों ने ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल शोधन, स्वच्छता आदि पर भी कार्य किया।

इन्टर्न एवं वॉलंटियर

International Citizen Services Pravah Delhi and UKAid UK	Neelabh Saxena, Chanchal Kushwah, Bibha kumari Yadav, Priyanka Chodhary, Sumi Hansda, Sajitha Rajan, Mohd-Rijas AK, Amira Gucher Blackman, Harriet Webster, Jordan Lourenco Francis, Lucy Kate, Samantha Charlotte Sayer, Alice Elizabath, David Alun Keith, Rhue Cristina Findlater, Abhilash Jhon, Bhupendra Deorao Jewade, Susmita Roy, Priya Kumari, Baby Kumari, Mohd-Jaseel CK, Suhair PP, Vikas Kumar, Awdhesh Kumar, Shreya Mudgal, Elton Ray Coelho, Chinmayee Oruganti, Julian sam Paterson Steward, Aaron Paul, Jake Francis Brooks, Lauren Kathleen Dye, Marged ElenWiliam, Miriam Sarah Amy Foreman, Shona Alice Manson, Tamsin Patricia, Danielle Maria, Lauren Chetwynd Donnison, Priya Dey
Foundation of Sustainable Development	Allison Smith, Mihika Srivastav, Monica Lefton, Julia Di Maria, Rachel Epstein, Soram Kim, Gabrielle Silva, Genesis Garcia, Nada Bedair, David Guirgis, Melissa Calica, Sana Hussain, Sophie Anolick, Walker Chance
Stella Maris College, Chennai	Reney M. Sebastian, Rini George, Jasmin Jose
JRN Rajasthan Vidhyapith, Udaipur	Munawwar, Rajendra singh Rathore
PDDU PU Gandhinagar	Kriti Nagar
JNU, Rajasthan	Ritu Jain
NMIMS, Mumbai	RupalSinghvi
IIM Udaipur	Divya Rosealine David, Vandana Rawat, Alsharhan, Harsh Singh, Menghani Lakhan Mahesh, Pulkitgoel, RohitGathala, ShreyanshDaga, VinuShatakshi, Shlok Agrawal, Tarini Prasad Tripathi, Sanidhpatil, Ashrut Garg, Sarthak Anand, Akash Bansal, Mridul Sharma, Sourabh Rathi, Mayuresh Choudhery, Mohit Srivastav, Dheeraj Malwawala, Reuben Khonglah, Darpan Saxena, PoreddySharath Chandra Reddy, Ayushjain, Govind Yadav, Saransh Vyawahare, Joshi Parth Mukesh, Vaibhav Singh, SayandasKarmakar, Shantanu Jain, Himanshu Choudhery, V Vishnu Shankar, Amandeep Singh Virk
Duke University, USA	George Elliot, Emma Schindler
Smile in-turn-ship, Pravah, Delhi	Vibhor, Riya Jain, Shreshtha Bhattacharya, Divya Sharma, Radhika Kanwar, Deepak Kumar, Parnika Jhunjhunuwala, Joicy, Rachna Mathur, Sanjeev Singh, Arif Khan
Fulbright Research Grant, USA	Ariel Danielle Maschke
IRMA, Guajarat	Rajat Goel, Rajat Tomar, Raghunandan S., Rohit Kapila, Rahul Saini, Aninash Kamboj
S P Jain Institute of Management and Research, Mumbai	Sonali Agrawal, Sudesh Dinesh Shetty, Swanidhi Singh, Smriti Kathuria, Ranjit Kumar Jha, Akriti Bhatia
Symbiosis, Pune	Yogyata Joshi
Operation Groundswell, Canada	Alyssia Marchetta Amanda Stone, Bailey Spense, Emily Crocker, Hannah Tzipporah, Jennifer Eze, Jessie Strong, Krystiana Bouchard, Madison Rice, Olivia Novak, Sarah Stevens Butzow, Taylor Warren, Alexandra Louise, Bianca Ariana Godoy, Bracken Devlin, Carla Arizaga, Delaney Bella, Jaeda, Jordyn, Lauren Tassone, Madisyn Latham, Samantha, Stephanie Vinig, Kelsey White, Mav R Behl

स्टाफ

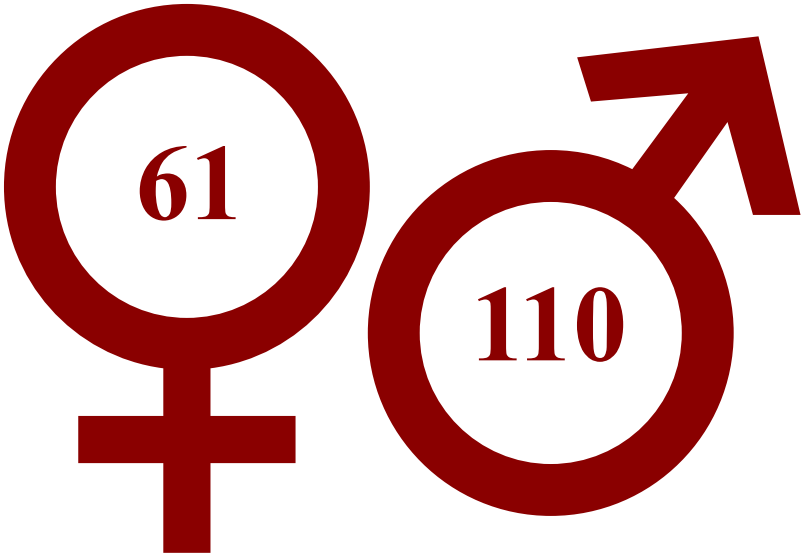

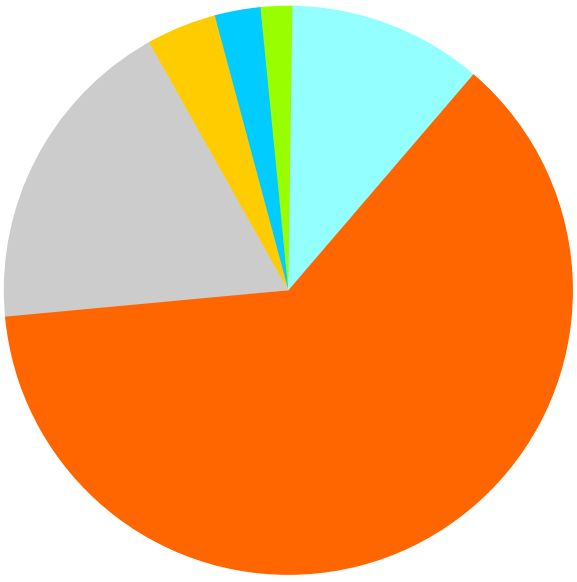

मानदेय ढाँचा

मानदेय रु. में	कार्यकर्ता
<6000	19
6001-15000	107
15001-25000	31
25001-35000	07
35001-50000	04
50,000>	03
TOTAL	**171**

साधारण सभा

अश्विनी पालीवाल
सचिव,
आस्था संस्थान, उदयपुर

दशरथ सिंह
शिक्षाविद
उदयपुर

डॉ. गायत्री तिवारी
असोसिएट प्रोफ़ेसर
गृहविज्ञान महाविद्यालय, उदयपुर

गोवर्धन सिंह चौहान
कोषाध्यक्ष , उपनिदेशक
जतन संस्थान, राजसमन्द

गोविन्द सिंह गहलोत
शिक्षाविद,
विद्याभवन सोसायटी, उदयपुर

डॉ. कैलाश बृजवासी
मानद सचिव एवं निदेशक
जतन संस्थान, राजसमन्द

लक्ष्मी मूर्ति
डिजायनर एवं प्रशिक्षक
विकल्प डिजाइन, उदयपुर

महेश दाधीच
कार्यकारिणी अध्यक्ष– जतन
विधिवक्ता, राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर
गंगापुर, भीलवाड़ा

मोहम्मद युसूफ खान,
सिविल अभियंता
उदयपुर

मुकेश कुमार सिन्हा
सामाजिक कार्यकर्त्ता
रेलमगरा, राजसमन्द

प्रकाश भंडारी
शिक्षाविद
उदयपुर

राजेश शर्मा
कार्यक्रम समन्वयक,
जतन संस्थान, गोगुन्दा

रणवीर सिंह शक्तावत
उपनिदेशक,
जतन संस्थान, राजसमन्द

संजय चित्तौड़ा
समन्वयक,
आजीविका ब्यूरो, उदयपुर

उषा अग्रवाल
सेवानिवृत प्राचार्या,
उदयपुर स्कूल ऑफ सोश्यल वर्क

सलाहकार समिति

अंकुर कछवाहा
कार्यक्रम प्रबंधक, जतन
उदयपुर

आशा सिंघल
शिक्षाविद,
उदयपुर

अविनाश नागर
असिस्टेंट प्रोफ़ेसर,
राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर

भंवरलाल वागरेचा
अध्यक्ष– तुलसी साधना शिखर,
राजसमन्द

छत्रपाल सिंह
उपनिदेशक
जतन– राजसमन्द

गंगाराम
सह–समन्वयक,
चाइल्डलाइन, राजसमन्द

गोवर्धन सिंह
उपनिदेशक,
जतन, राजसमन्द

हेमू राठौड़
असिस्टेंट प्रोफ़ेसर,
गृहविज्ञानमहाविद्यालय, उदयपुर

डॉ. कैलाश बृजवासी
निदेशक, जतन
उदयपुर

कन्हैया लाल जीनगर
समन्वयक,
जतन– राजसमन्द

लक्ष्मी मूर्ति
डिजायनर
उदयपुर

मनोज दशोरा
लेखाधिकारी,
उदयपुर

मंजू खटीक
समन्वयक– जतन,
सहाड़ा

पुष्पा कर्नावट
सामाजिक कार्यकर्त्ता,
राजसमन्द

संजय चित्तौड़ा
कार्यक्रम समन्वयक,
आजीविका ब्यूरो, उदयपुर

डॉ. शशि जैन
पूर्व डीन, गृह विज्ञान महाविद्यालय,
उदयपुर

डॉ. सरला लखावत,
असिस्टेंट प्रोफ़ेसर,
अजमेर

स्मृति केडिया
सलाहकार एवं निदेशक,
प्लस ट्रस्ट, उदयपुर

वैद्य स्मिता वाजपेई
वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी,
चेतना, अहमदाबाद

सुमित्रा मेनारिया
केंद्र प्रभारी,
जतन, रेलमगरा

रणवीर सिंह
उपनिदेशक,
जतन, राजसमन्द

वर्धिनी पुरोहित
पूर्व सरपंच– ओड़ा ग्राम पंचायत
राजसमन्द

डॉ. वल्लरी रामाकृष्णन
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ,
उदयपुर

बोर्ड बैठकें

साधारण सभा की वार्षिक बैठक

(2017–2018)

अगस्त 29, 2017

मार्च 26, 2018

कार्यकारिणी समिति बैठकें

(2017–2018)

मई 31, 2017

अगस्त 15,2017

अक्तूबर 30, 2017

जनवरी 06, 2018

मार्च 26, 2018

कार्यकारिणी समिति सदस्य

अध्यक्ष

महेश दाधीच

कोषाध्यक्ष

गोवर्धन सिंह चौहान

निदेशक एवं मानद सचिव

डॉ. कैलाश बृजवासी

समिति सदस्य

राजेश शर्मा

रणवीर सिंह

मुकेश सिन्हा

सरिता जैन

प्रकाश भंडारी

गोविन्द सिंह

बदलाव में हमारे साथी–सहयोगी

चेतना, अहमदाबाद

चाइल्डलाइन 1098, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार

चाइल्ड फण्ड इंडिया, दिल्ली

डवलपिंग वर्ल्ड कनेक्शन, कनाडा

एज्युकेट फॉर लाइफ, यूके

फाउंडेशन ऑफ़ सस्टेनेबल डवलपमेंट, संयुक्त राज्य अमेरिका

गेबेको रायसन, जर्मनी

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड, उदयपुर

आई आई टी, चेन्नई

आई आई टी, मुंबई

इंडो एशिया होलीडे, गुरुग्राम

इण्डिया इन्फोलाइन फाइनेंस लि., मुंबई

क्षमतालय फाउंडेशन, उदयपुर

ऑपरेशन ग्राउंड्सवेल, कनाडा

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, मुंबई

प्लान इण्डिया, जयपुर

प्रवाह, नयी दिल्ली

सॉफ्ट चॉइस, कनाडा

स्पार्कमिंडा फाउंडेशन, दिल्ली

द हंगर प्रोजेक्ट, जयपुर

द वाय पी फाउंडेशन, दिल्ली

यूनिएफपीए, जयपुर

महिला एवं बाल विकास विभाग, राजस्थान सरकार

ऑडिट रिपोर्ट

S.D.BAYA & COMPANY
Chartered Accountants

448, MOKSHA MARG, SHASTRI CIRCLE,
UDAIPUR RAJASTHAN 313001
Ph. 9414157232

FORM NO. 10B

[See Rule 17B]

Audit Report under section 12A (b) of the Income-tax Act, 1961 in the case of charitable or religious trusts or institutions

I have examined the balance sheet of JATAN SANSTHAN AAATJ5544J [name and PAN of the trust or institution] as at 31/03/2018 and the Profit and loss account for the year ended on that date which are in agreement with the books of account maintained by the said trust or institution

I have obtained all the information and explanations which to the best of my knowledge and belief were necessary for the purposes of the audit. In my opinion, proper books of account have been kept by the head office and the branches of the above-named trust visited by me so far as appears from my examination of the books, and proper Returns adequate for the purposes of audit have been received from branches not visited by me subject to the comments given below:

In my opinion and to the best of my information, and according to information given to me the said accounts give a true and fair view: -

i. in the case of the balance sheet of the state of affairs of the above-named trust as at 31/03/2018

ii. in the case of the profit and loss account, of the profit or loss of its accounting year ending on 31/03/2018

The prescribed particulars are annexed hereto.

For S.D.BAYA & COMPANY
Chartered Accountants

(SHUBH DARSHAN BAYA)
PROPRIETOR
Membership No: 076167
Registration No: 007833C

Place :UDAIPUR
Date : 26/09/2018

Jatan Sansthan
39, Vishwamitra Nagar, Railmagra
Tehsil Railmagra District: Rajsamand
Rajasthan, India- 313 329

BALANCE SHEET
AS AT MARCH 31ST, 2018

LIABILITIES		AMOUNT	ASSETS		AMOUNT
CAPITAL FUND:		150,69,926.65	**FIXED ASSETS**	Schedule- 1	128,26,199.00
- Opening Balance	130,14,698.58				
- Add: Capital assets purchased	17,32,136.00		Security deposit	Schedule- 7	88,920.00
- Add: Fund capitalised	3,35,380.00		Loan and Advance	Schedule- 5	13,29,494.00
- Less: I&E Accounts	13,250.91		Grant Receivable	Schedule- 2	136,56,092.58
Provisions	Schedule- 3	13,37,792.00	**CASH BALANCE**		
Current Liabilities	Schedule- 4	129,74,933.42	1 Cash in hand	Schedule- 6	67.33
Unspent Balance of Grant	Schedule- 2	247,78,092.33	2 Cash at bank	Schedule- 6	264,82,971.49
TOTAL		541,58,734.40		TOTAL	541,58,734.40
					0.00

Notes on Accounts
The Schedule referred to above form part of the Accounts
Signed in terms of our report of even date

For: S.D. Baya & Company
Chartered Accountants

(S.D. Baya)
Proprietor
Membership No. 75167

For: Jatan Sansthan

(Dr. Kailash Brijwasi)
Secretary

(Goverdhan Singh Chouhan)
Treasurer

Place: Udaipur (Raj.)
Date : 22nd September 2018

Jatan Sansthan
39, Vishwamitra Nagar, Railmagra
Tehsil Railmagra, District. Rajsamand.
Rajasthan, India- 313 329

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT
FOR THE PERIOD ENDED 31-03-2018

EXPENDITURE	AMOUNT	INCOME		AMOUNT
PROGRAMME EXPENSES:				
1 Action for Adolescent Girls Project (Hiter Project)	105,88,971.00	**Grant in aid: UNFPA, Jaipur**		
		- Opening unspent balance	11,22,913.00	
		- Add: Grant in aid during the year	93,48,215.00	
		- Add: Bank interest	1,16,843.00	
			105,88,971.00	105,88,971.00
2 Learning Orbit for Village Excellence (LOVE Project)	33,60,800.00	**Grant in aid: NSE Mumbai**		
		- Grant during the year	50,21,222.00	
		- Less: Closing unspent balance	16,60,422.00	33,60,800.00
3 Sakhiyon Ki Badi- Education Project	136,63,512.00	**Grant in aid: IFL Foundation Mumbai**		
		- Opening unspent balance	12,22,283.00	
		- Grant during the year	96,25,000.00	
			108,47,283.00	
		- Add: Closing overspent balance	35,64,265.00	
		- Less: Capital assets purchased	7,48,036.00	136,63,512.00
4 Apna Jatan Kendra (AJK Project)	1,26,352.00	**Grant in aid: Indo Asia Holiday New Delhi**		
		- Grant during the year	1,56,032.00	
		- Less: Closing unspent balance	29,680.00	1,26,352.00
5 Kathmalaya- Education Project	3,04,594.00	**Grant in aid: Educate for Life**		
		- Grant during the year	2,35,000.00	
		- Add: Closing overspent balance	69,594.00	3,04,594.00
6 Uger Programme (Safe Menstruation Campaign)	13,04,553.73	**Receipt by sale of Uger products & other donations**		
		- Opening unspent balance	3,42,722.39	
		- Receipts during the year	12,04,247.20	
		- Received bank interest	10,409.00	
			15,57,378.59	
		- Less: Closing unspent balance	2,52,824.86	13,04,553.73
7 Organizational expenses and short term programmes	27,66,708.06	**Organizational other receipts**		
		- Other income	3,25,914.76	
		- Less: Capital assets purchased	2,44,060.00	81,854.76
		Bank Interest LC accounts		29,412.00
8 Initiative to improve nutrition status and enhance the enrolment of children through strengthening the ICDS services: "KHUSHI Project"	212,32,373.00	**Grant in aid: Hindustan Zinc Limited, Udaipur**		
		- Grant in aid during the year	173,68,935.00	
		- Received bank interest	3,61,090.00	
			177,30,025.00	
		- Less: Opening overspent balance	24,22,395.00	
		- Add: Closing overspent balance	60,81,608.00	
		- Less: Capital assets purchased	56,865.00	213,32,373.00
9 Child Care KHUSHI Center (3 Centers of Rajsamand)	6,28,024.00	**Grant in aid: Hindustan Zinc Limited, Udaipur**		
		- Grant during the year	5,41,976.00	
		- Add: Opening unspent balance	23,033.00	
		- Add: Closing overspent balance	63,015.00	6,28,024.00
10 Child Care KHUSHI Center (6 Centers of Udaipur)	18,59,435.00	**Grant in aid: Hindustan Zinc Limited, Udaipur**		
		- Grant during the year	16,25,180.00	
		- Add: Opening unspent balance	78,947.00	
		- Add: Closing overspent balance	1,54,30[illegible]	18,59,435.00

Child Care KHUSHI Center (3 Centers of Chittorgarh)	6,29,851.00	**Grant in aid: Hindustan Zinc Limited, Udaipur**		
		- Grant during the year	5,10,050.00	
		- Add: Opening unspent balance	56,788.00	
		- Add: Closing overspent balance	61,013.00	6,29,851.00
12 Look At Us Programme	0.00	**Grant in aid: Hindustan Zinc Limited, Udaipur**		
		- Grant during the year	70,000.00	
		- Less: Opening unspent balance	70,000.00	0.00
13 Nand Ghar Project (Brown field)	383,88,077.00	**Grant in aid: Hindustan Zinc Limited, Udaipur**		
		- Grant during the year	530,11,362.00	
		- Add: Opening unspent balance	38,74,965.00	
		- Less: Closing unspent balance	184,87,750.00	
		- Less: Capital assets purchased	10,500.00	383,88,077.00
14 Aayurvedic Mela	8,92,025.00	**Grant in aid: Hindustan Zinc Limited, Dariba**		
		- Grant during the year	7,71,354.00	
		- Less: Opening overspent balance	7,71,354.00	
		- Add: Closing overspent balance	8,99,525.00	
		- Less: Capital assets purchased	7,500.00	8,92,025.00
15 Hindustan Zinc staff welfare scheme	2,08,641.00	**Grant in aid: Hindustan Zinc Limited, Dariba**		
		- Grant during the year	0.00	
		- Add: Closing overspent balance	2,08,641.00	2,08,641.00
16 Development and printing of Khushi manuel	25,253.00	**Grant in aid: Hindustan Zinc Limited, Udaipur**		
		- Grant during the year	0.00	
		- Add: Closing overspent balance	25,253.00	25,253.00
17 Khushi Banteyen Abhiyan	1,28,134.00	**Grant in aid: HZL Employees- Udaipur & Dariba**		
		- Grant during the year	1,56,650.00	
		- Less: Closing unspent balance	28,516.00	1,28,134.00
18 Child Line Project- Child Helpline 1098	12,66,236.00	**Grant in aid: Child Line India Foundation**		
		- Grant during the year	15,06,000.00	
		- Received bank interest	1,716.00	
			15,07,716.00	
		- Less: Opening overspent balance	12,51,511.00	
		- Add: Closing unspent balance	10,10,031.00	12,66,236.00
19 Jatan Resource Center (Jatan Prashikshan Evam Sansarbh Kendra)	5,584.41	**Other Organizational Receipts:**		
		- Bank interest	19,856.00	
		- Less: Opening overspent balance	4,881.25	
		- Less: Transferred to JRC	9,390.34	5,584.41
20 Running of NFE and Balwadi Centre (Devali & Ramnagar, Udaipur) intends to cater to the development needs of children with focus on health	5,70,830.00	**Grant in aid: Gebeco Reisen, Germany**		
		- Add: Grant in aid during year	9,17,880.92	
		- Less: Opening overspent balance	2,01,661.42	
			7,16,219.50	
		- Less: Capital assets purchased	2,300.00	
		- Less: Closing unspent balance	1,43,089.50	5,70,830.00
21 Strengthening the Leadership of Women Representative in Local Village Councils- Gram Panchayats so as to address violence against women through the governance framework	19,28,760.00	**Grant in aid: The Hunger Project, New Delhi**		
		- Add: Grant in aid during year	19,16,680.00	
		- Add: Opening unspent balance	16,209.00	
			19,32,889.00	
		- Less: Capital assets purchased	4,010.00	
		- Less: Closing unspent balance	129.00	19,28,760.00
22 Effective Communication towards Ensuring Social Accountability for Maternal Health- CDPPA-SAMAH and Women's Health and Rights Advocacy Partnership- ARROW-WHRAP	1,16,608.00	**Grant in aid: CHETNA, Ahmedabad**		
		- Add: Grant during the year	2,70,757.00	
		- Less: Opening overspent balance	42,056.00	
			2,28,701.00	
		- Less: Closing unspent balance	1,12,093.00	481,16,608.00

Joint Initiative for Village Advancement Project (Field Level Activities)	14,92,280.00	**Grant in aid: Pyxera Global, USA**		
		- Add: Grant in aid during year	2,68,202.28	
		- Add: Opening unspent balance	9,89,257.82	
		- Add: Bank interest received	22,847.00	
			12,80,307.10	
		- Add: Closing overspent balance	2,11,972.90	14,92,280.00
24 Joint Initiative for Village Advancement Project (Education Support Programme for 6 girls and Finance & Admin work)	6,14,777.00	**Grant in aid: Pyxera Global, USA**		
		- Add: Grant in aid during year	16,03,023.00	
		- Less: Opening overspent balance	12,26,201.68	
			3,76,821.32	
		- Add: Closing overspent balance	4,37,955.68	8,14,777.00
25 Child Development Project	201,63,599.73	**Grant in aid: Child Fund India, Bangalore**		
		- Add: Grant in aid during year	203,55,073.60	
		- Add: Opening unspent balance	19,50,464.26	
		- Add: Bank interest received	90,628.00	
			223,96,165.86	
		- Less: Capital assets purchased	6,25,689.00	
		- Less: Closing unspent balance	16,06,877.13	201,63,599.73
26 The Butterfly Project	1,12,945.00	**Grant in aid: The YP Foundation New Delhi**		
		- Add: Grant in aid during year	2,20,640.00	
		- Less: Closing unspent balance	1,07,695.00	1,12,945.00
27 Empowering Marginalised Girls Through Quality Education (KGBV) Project	12,82,038.00	**Grant in aid: SC, Bal Raksha Bharat, New Delhi**		
		- Add: Grant in aid during year	15,59,000.00	
		- Less: Capital assets purchased	3,100.00	
		- Less: Closing unspent balance	2,73,864.00	12,82,038.00
28 Kshamtalaya Education Programme	7,43,517.00	**Grant in aid: Educate for Life- UK**		
		- Add: Grant in aid during year	4,99,764.00	
		- Add: Closing overspent balance	2,43,753.00	7,43,517.00
29 Indian Citizen Services: Volunteering Programme	14,32,076.00	**Grant in aid: Pravah, New Delhi**		
		- Add: Grant in aid during year	31,23,624.00	
		- Less: Closing unspent balance	16,91,548.00	14,32,076.00
30 Internship Programme	24,86,176.00	**Grant in aid: Pravah, New Delhi**		
		- Add: Grant in aid during year	27,17,886.00	
		- Less: Capital assets purchased	30,076.00	
		- Less: Closing unspent balance	2,01,614.00	24,86,176.00
31 Internship and volunteering Programme	3,05,527.00	**Grant in aid: Operational Groundswell, Canada**		
		- Add: Grant in aid during year	3,43,128.00	
		- Less: Closing unspent balance	37,601.00	3,05,527.00
32 Bank interest & Bank charges & Audit fees	5,879.38	**Bank interest FCRA Accounts**		1,10,322.00
33 Jatan Resource Center (Jatan Prashikshan Evam Sansarbh Kendra)	83,48,375.23	**Organizational receipts**		
		- Organizational receipt	68,75,893.00	
		- Bank interest	11,222.00	86,87,115.00
		Excess of expenditure over income		13,258.91
	1352,79,410.84		**TOTAL**	**1352,79,410.84**

Notes on Accounts

The Schedule referred to above form part of the Accounts
Signed in terms of our report of even date

For. S.D. Baya & Company
Chartered Accountants

(S.D. Baya)
Proprietor
Membership No. 76167
Place: Udaipur (Raj.)
Date : 22nd September 2018

For: Jatan Sansthan

(Dr. Kailash Brijwasi)
Secretary

(Goverdhan Singh Chouhan)
Treasurer

Jatan Sansthan
35, Vishwamitra Nagar, Railmagra
Tehsil: Railmagra, District: Rajsamand,
Rajasthan, India- 313 329

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT
FOR THE YEAR ENDED 31-03-2018

RECEIPT	AMOUNT	PAYMENT	AMOUNT
OPENING BALANCE		**PROGRAM RELATED PAYMENT:**	
1 Cash in hand — Schedule-6	87,903.33	1 Action for Adolescent Girls Project (Hiler Project)	105,86,971.00
2 Cash at bank — Schedule-6	104,02,095.26	2 Learning Orbit for Village Excellence (LOVE Project)	33,60,900.00
		3 Sakhiyon Ki Badi- Education Project	136,63,512.00
GRANT IN AID RECEIVED:		4 Apna Jatan Kendra (AJK Project)	1,26,262.00
1 UNFPA, Jaipur	93,48,215.00	5 Kshmtalaya- Education Project	3,04,594.00
2 NSE Mumbai	50,21,222.00	6 Uger Programme (Safe Menstruation Campaign)	13,04,553.72
3 IIFLF, Mumbai	95,25,000.00	7 Organizational expenses and short term programmes	27,66,706.06
4 Indo Asia Holiday, New Delhi	1,59,032.00	8 Initiative to improve nutrition status and enhance the	213,32,373.00
5 Educate for Life	2,35,000.00	enrolment of children through strengthening the ICDS services: 'KHUSHI Project'	
6 Uger receipts	12,04,247.20		
7 Organizational other receipts	3,25,914.76	9 Child Care KHUSHI Center (3 Centers of Rajsamand)	6,28,024.00
8 Hindustan Zinc Limited Udaipur	739,99,547.00	10 Child Care KHUSHI Center (3 Centers of Udaipur)	16,56,435.00
9 HZL Employee	1,56,650.00	11 Child Care KHUSHI Center (3 Centers of Chittorgarh)	6,29,851.00
10 Child Line India Foundation, Mumbai	15,08,000.00	12 Look At Us Programme	
11 Receipts under Jatan Resource Center	89,75,693.00	13 Nand Ghar Project (Brown field)	383,88,077.00
12 Geb co Reiser, Germany	9,17,880.92	14 Aayurvedic Mela	8,92,025.00
13 The Hunger Project, New Delhi	19,16,090.00	15 Hindustan Zinc staff welfare scheme	2,06,641.00
14 CHETNA, Ahmadabad	2,70,757.00	16 Development and printing of Khushi manual	25,253.00
15 Pyxera Global, USA	18,71,225.20	17 Khushi Sampreshan Abhiyan	1,29,134.00
16 Child Fund India, Bangalore	203,55,075.60	18 Child Line Project- Child Helpline 1098	12,68,236.00
17 The YP Foundation, New Delhi	2,20,640.00	19 Jatan Resource Center (Jatan Prashikshan Evam	5,584.41
18 Save the Children, Bal Raksha Bharat, Delhi	15,59,000.00	Sandarbh Kendra)	
19 Educate for Life, UK	4,99,764.00	20 Running of NFE and Balwadi Centre (Devali &	5,73,850.00
20 Pravah, New Delhi	31,23,624.00	Ramnager, Udaipur) intends to cater to the	
21 FSD, USA	27,17,866.00	development needs of children with focus on health	
22 Operational Groundswell, Canada	3,43,126.00	21 Strengthening the Leadership of Women	15,28,700.00
23 Bank Interest	7,72,345.00	Representative in Local Village Councils- Gram	
		Panchayats so as to address violence against women	
OTHER RECEIPT DURING THE YEAR:		through the governance framework	
1 Administrative receipts	3,35,390.00	22 Effective Communication towards Ensuring Social	1,16,508.00
2 Apurv Mehta	2,318.00	Accountability for Maternal Health- CDPPA-SAMAH	
3 Bhura Lal Sharma	6,200.00	and Women's Health and Rights Advocacy	
4 Chetna Arogya Mandi	3,65,529.44	Partnership- ARROW-WHRAP	
5 Chhatrapal Singh Chundawat	22,222.00	23 Joint Initiative for Village Advancement Project (Field	14,92,280.00
6 Chirag Menariya	2,000.00	Level Activities)	
7 Contractor (Civil Works)	40,72,778.00	24 Joint Initiative for Village Advancement Project:	8,14,777.00
8 Contractor security amount	2,51,000.00	(Education Support Programme for 6 girls and	
9 DFC Payable	19,785.35	Finance & Admin work)	
10 Ganga Ram Prajapat	3,324.00	25 Child Development Project	201,63,599.73
11 Goverdhan Singh Chouhan	8,104.00	26 The Butterfly Project	1,12,946.00
12 Indra Lal	490.00	27 Empowering Marginalised Girls Through Quality	12,02,036.00
13 Jatan staff advance	64,075.00	Education (KGBV) Project	
14 Jatan staff security deposit	8,77,982.00	28 Kshamtalaya Education Programme	7,43,517.00
15 Jatan staff SHG contribution	1,76,580.00	29 Indian Citizen Services: Volunteering Programme	14,32,076.00
16 JIVA office security (Chanchal Devi Bohra)	42,449.00	30 Internship Programme	24,86,176.00
17 Kalyani Samagra Vikas Parishad	76,495.00	31 Internship and volunteering Programme	3,05,527.00
18 Kanhaiya Lal Jingar	3,932.00	32 Bank interest & Bank charges & Audit fees	5,879.38
19 Kweena Mehta	2,000.00	33 Jatan Resource Center (Jatan Prashikshan Evam	63,48,375.23
20 Lakshmi Murthy	53,450.00	Sandarbh Kendra)	
21 Lakshmi Sharma	2,960.00	34 Fixed assets purchased	22,19,879.00
22 Lalit Kumar Meghwal	485.00		
23 Lokesh Paliwal	312.00	**OTHER PAYMENT DURING THE YEAR**	
24 M/s Anuvrat Vishva Bharti	4,100.00	1 Jatan Resource Center	9,390.34
25 M/s Badal Resorts Gogunda	8.00	2 Advance TDS paid U/s 194 I	6,735.00
26 M/s BPL Techno Vision Pvt. Ltd.	16,676.00	3 Anju Kanwar Sisodiya	5,973.00
27 M/s Jaguar Creation	7,623.00	4 Ankur Kachhwaha	20,385.00
M/s Jai Construction (Civil Contractor)	2,46,872.00	5 Arjun Singh Rathore	2,000.00
M/s Kutub Textiles Udaipur	3,497.00	6 Dean, Home Science College	50,000.00
M/s P.C. Planet	600.00	7 Himanshu Singh Chundawat	8,500.00
M/s Paliwal Book Depot	675.00	8 ICICI Bank Ltd. (Ertiga- Car Loan)	38,676.10
32 M/s Rama Sales Corporation	3,88,450.00	9 ICICI Bank Ltd. (Safari- Car Loan)	2,27,444.30
33 M/s S.D. Baya & Co. Udaipur	98,750.00	10 ICS Host Family	3,10,913.00
34 M/s S.S. Construction (Civil Contractor)	1,50,000.00	11 JIVA Guest House Security	24,800.00
35 M/s Sagas Ji Marketing	19,622.00	12 JIVA staff	1,63,065.00
36 M/s Sanjari Offset Printers	1,20,239.00	13 Kshamtalaya Foundation	6,28,386.00
37 M/s Shakti Agencies	8,377.00	14 M/s Bhavna Caters & Bartan Bhandar	6,82,935.00
38 M/s Shanker Lal Kumawat (Civil Contractor)	2,60,000.00	15 M/s Card Corner	40,500.00
39 Manju Rajput	1,061.00	16 M/s DHL Express (India) Pvt. Ltd	492.00
40 Manju Sharma	349.00	17 M/s Gajendra General Store	42,750.00
41 Om Prakash Gayari	2,985.00	18 M/s K.K. Arts (Kishan Lal Tanwar)	60,450.00
42 Outstanding payable	14,318.00	19 M/s Khajuriya Shyam Motors	10,200.00
43 Outstanding salary	6,28,911.00	20 M/s Maa Shreya Devi Tent & Caters	3,41,110.00
44 PF and staff welfare	23,73,488.35	21 M/s Mangla Enterprises	40,114.00
45 Pradeep Kumar Pradhan	48,917.00	22 M/s Riti Riwaj Hotel	3,544.00
46 Provision	4,32,161.00	23 M/s Roshni Tent House	2,250.00
47 Pushpendra Singh	4,985.00	24 M/s Shiv Shringar Palace	38,300.00
48 Ramchandra	350.00	25 M/s Tick Tach Toe	56,500.00
49 Rani Khoiwal	4,524.00	26 M/s Udaipur Sahkari Upbhokta Bhandar	86,750.00
50 Ranveer Singh Shaktawat	55,532.00	27 M/s Vardhaman Stationers	36,520.00
51 Santosh Kumawat	1,861.00	28 M/s Vijay Travel Agency	28,500.00
52 Shanker Lal Kumawat (Contractor)	2,02,060.00	29 M/s Vyas Computers (Pankaj Vyas)	2,222.00
53 TDS (FY 2013-2014) reversed	30,276.00	30 Mamta Singh Chouhan (MT)	17,200.00
54 TDS (FY 2015-2016) reversed	25,750.00	31 Pawan Kumar Bansal	34,301.00
55 TDS payable	6,966.00	32 Pinki Khatik	4,438.00
56 Uger fund reversed	1,38,388.59	33 Priya Menariya	20,000.00
		34 Provision for translation work	30,000.00
		35 Rajsamand Office Security	6,000.00
		36 Shashi Prabha	16,370.00
		37 Staff SHG loan	2,26,876.00
		38 Sumitra Menariya	5,100.00
		39 Tavashi Manohar	7,500.00
		40 TDS deducted by Grantee and Bank	1,966.00
		41 Vineeta Sodha	200.00
		CLOSING BALANCE	
		1 Cash in hand — Schedule-6	57.33
		2 Cash at bank — Schedule-6	264,62,971.48
TOTAL	**1671,10,496.10**	**TOTAL**	**1671,10,495.10**
			0.00

Notes on Accounts
The Schedule referred to above form part of the Accounts
Signed in terms of our report of even date

For: S.D. Baya & Company
Chartered Accountants

For: Jatan Sansthan

(S.D. Baya)
Proprietor
Membership No. 7816

(Dr. Kailash Brijwasi)
Secretary

(Goverdhan Singh Chouhan)
Treasurer

Place: Udaipur (Raj.)
Date : 22nd September 2018

जनचेतना रथयात्रा को बाल विकास राज्यमंत्री और उच्चशिक्षा मंत्री माहेश्वरी ने दिखाई हरी झंडी

पैडमैन का गांव देखा है! यहां युवा सैनेटरी पैड्स बनाते हैं...और ये बदलाव सिर ऊंचा करने वाला है

यह नई सोच इसलिए सुखद है, क्योंकि..

12% महिलाएं ही देश में सैनेटरी पैड्स इस्तेमाल करती हैं।

80% महिलाएं ब्रांडेड पैड्स को अफोर्ड नहीं कर सकतीं

23% बच्चियां का माहवारी शुरू होने के बाद स्कूल ड्रॉपआउट

Padman at work: Men power drive for menstrual hygiene

SOCIAL MOVEMENT An initiative – Uger – is working to help break silence on menstruation

राजसमंद के पोदावली का 'खुशी' केन्द्र ही है खुशी का मंत्र

चाइल्ड लाइन की टीम ने नाबालिग का विवाह रुकवाया और लड़की को बाल गृह भेजा गया

बचपन में मिली शिक्षा ही संस्कार का आधार

आयोजन पुष्कर में जतन संस्थान का दो दिवसीय वार्षिक शिविर शुरू

'धर्म-जाति में बांट कर संकीर्ण बनाता है समाज

किशोरियों को सीख, माहवारी से सहमे नहीं

भामाशाह ने बांटी बच्चों को शिक्षण सामग्री

गर्भवती महिलाओं की ट्रैकिंग कर रुकवाए भ्रूण लिंग परीक्षण

लक्ष्मी मूर्ति ने आदिवासी गांवों में युवकों की सोच बदली

गायत्री ने गांव की हर महिला को साक्षर किया, बैंकिंग से जोड़ा

अभिलाषा का ऐसा खौफ कि गांव में बंद हो गए बाल विवाह

नौनिहालों की करिश्माई कहानी सुना रहा है यह गांव

नौ माह से नाश्ता-पोषाहार के 20 लाख रोके

लापरवाही ने छीना बच्चों-महिलाओं का पोषाहार

पत्रिका बड़ी रिपोर्ट

दो माह से पोषाहार आपूर्ति नहीं

कार्यालय सहायक को हटाया

कोटड़ा और गोगुंदा में लर्निंग फेस्टिवल में बच्चों ने दिखाई खेलों, गतिविधियों में रूचि

श्री श्रीलाल गर्ग ‘‘बापूजी’’

27 जुलाई 1924 – 25 नवम्बर 2017

प्रथम अध्यक्ष एवं संस्थापक सदस्य

जतन संस्थान

।। जतन अपने पितृ पुरुष ‘‘बापूजी’’ को नमन करती हैं ।।

खूब पढ़ूंगी खूब बढ़ूंगी
जग में रोशन नाम करूंगी।

बदलते जमाने के साथ चलूंगी,
नई तकनीकों को समझूंगी,
कम्प्यूटर पर भी काम करूंगी,
दुनिया भर की सैर करूंगी।

खूब पढ़ूंगी खूब बढ़ूंगी
जग में रोशन नाम करूंगी।

माँ बाबा को समझाऊँगी,
पढ़ाई बीच में नही छोड़ूंगी,
जल्दी शादी नही करूंगी,
सबको पढ़ने को बोलूंगी।

खूब पढ़ूंगी खूब बढ़ूंगी
जग में रोशन नाम करूंगी।

अपनी ताकत को जानूंगी,
अधिकारों की बात करूंगी,
अपनी किस्मत खुद लिखूंगी,
सबके मन पर राज करूंगी।

खूब पढ़ूंगी खूब बढ़ूंगी
जग में रोशन नाम करूंगी।

Jatan
Working with young people

Jatan Sansthan
- 05, Tirupati Vihar, Opp. Celebration Mall, Bhuwana, Udaipur - 313001
- Subhash Nagar, 100 Feet Road, Rajsamand- 313326
- Police Station Road, Railmagra (Dist.Rajsamand) - 313329
- Sirohi Road, Near Petrol Pump, Gogunda (Dist.Udaipur)
- Near SBI Branch Office, Molela Road, Khamnor (Dist.Rajsamand)
- Hunarghar : Khad Bamniya - Pachhamata Road, Railmagra (Dist.Rajsamand)
- Bus Stand Road, Gangapur, Sahada (Dist.Bhilwara)

www.jatansansthan.org
YouTube: c/JatanSansthan
Facebook: jatansansthan1
Instagram/ Twitter: jatan_sansthan
Linkedin:company/jatan-sansthan